RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 226 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 14-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

Government of India

तमिलनाडु में सशक्त नारी-शक्ति

प्रधानमंत्री मात वंदना योजना के तहत 19+ लाख माताओं को ₹1000+ करोड़ की सहायता

1.1+ करोड़ घरों तक नल से स्वच्छ जल और 41+ लाख उज्ज्वला गैस कनेक्शन से धुआं-मुक्त रसोई, महिलाओं का जीवन-स्तर बेहतर

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 14+ लाख पक्के घर और 65 लाख शौचालय, महिलाओं को मिला गरिमापूर्ण जीवन

23+ लाख महिला-नेतृत्व वाले चव्यए संचालित, महिला उद्यमिता को बढ़ावा और नए अवसरों का सृजन

5.6 लाख लखपति दीदियों की आर्थिक आत्मनिर्भरता से महिला नेतृत्व में आर्थिक सशक्तिकरण को मिली मजबूती

सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 40+ लाख बेटियां लाभान्वित,
₹33,000+ करोड़ की बचत से उनका भविष्य सुरक्षित

3.3+ लाख स्वयं सहायता समूह (SHGs) से सामुदायिक विकास, ग्रामीण आजीविका
और महिला सशक्तिकरण को बल

विकसित भारत के लिए
विकसित तमिलनाडु
मोदी सरकार का संकल्प

CBC 01101/13/0047/2526

“हमारा सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है।
केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति के लिए
पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।”

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने किया आदिनाथ जैन सेवा केंद्र का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय चूलै के आदिनाथ जैन ट्रस्टको तमिलनाडु सरकार की ओर से एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तथा लोकप्रिय मंत्री पी.के. सेकर बाबू की पहल पर ट्रस्ट को दो अस्पतालों के संचालन और सेवा कार्यों के लिए सौंपा गया है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों के अनुसार, सरकार की इस पहल का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। पहला अस्पताल कोलाथूर क्षेत्र में स्थापित किया गया है। यह चार मंजिला इमारत है, जिसमें से दो मंजिल अपोलो इन मंजिलों पर आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित फिजियोथेरेपी सेंटर शुरू किया गया है। इसके साथ ही यहाँ आर्टिफिशियल लिम्ब (कृत्रिम अंग), मॉड्यूलर लिम्ब और कैलिपर बनाने की पूरी व्यवस्था की गई है। इस केंद्र का उद्देश्य जरूरतमंद और दिव्यांग व्यक्तियों को कृत्रिम पैर व अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें बेहतर जीवन देने में सहायता करना है।

इसके अलावा, तमिलनाडु सरकार द्वारा ट्रस्ट को एक और बड़ी जिम्मेदारी देते हुए 11 मार्च को साहुकारपेट के वाटर बेसिन स्ट्रीट स्थित राजस्थान ग्राउंड परिसर में बने अस्पताल में भी सेवा कार्यों का अवसर प्रदान किया गया है। इस अस्पताल की पहली और दूसरी मंजिल पर अत्याधुनिक मशीनों के साथ फिजियोथेरेपी और पुनर्वास सेवाएँ प्रारंभ कर दी गई हैं। बताया गया कि यह सेवाएँ केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि कोई भी व्यक्ति यहाँ आकर उपचार और फिजियोथेरेपी का लाभ ले सकता है। इन केंद्रों में अनुभवी डॉक्टरों और विशेषज्ञों की टीम नियुक्त की गई है ताकि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा मिल सके।

साथ ही अस्पताल परिसर में कृत्रिम अंग और मॉड्यूलर लिम्ब निर्माण की सुविधा भी विकसित की जा रही है, जिससे जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की जा सकेगी। आदिनाथ जैन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. मनोज जैन ने बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आम जनता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रस्ट ने इस अवसर पर तमिलनाडु सरकार, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और मंत्री पी.के. सेकर बाबू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेगा और अधिक से अधिक लोगों की सेवा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेगा।

शानदार 'समर एडिट' पेश करेगी हाई लाइफ

17 और 18 को होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत की प्रमुख फैशन, ज्वैलरी और लग्ज़री प्रदर्शनी हाई लाइफ अब चेन्नई में गर्मियों को स्टाइलिश और शानदार बनाने के लिए तैयार है। इसका आयोजन 17 और 18 मार्च को हयात रिजेंसी में होगा। इसके आयोजकों ने कहा कि चेन्नई में गर्मियों की लग्ज़री को नए सिरे से परिभाषित करने का समय आ गया है। हाई लाइफ एक शानदार 'समर एडिट' पेश करने जा रही है, जिसमें डिज़ाइनर, समकालीन परिधान, दमकते आभूषण और ऐसी एक्सेसरीज शामिल होंगी, जो सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेंगी।

यहां हल्के-फुल्के अंदाज़ से लेकर खास मौकों पर पहनने वाले परिधानों तक, हर कलेक्शन आधुनिक ग्लैमर का जश्न सहजता और खूबसूरती के साथ मनाएगा। एक ऐसी दुनिया में कदम रखें, जहां फैशन बोल्ड और बेमिसाल होगा।

कोयम्बटूर में वर्षीतप तपस्या हुई प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरजी स्ट्रीट स्थित राजस्थानी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ द्वारा सुपार्श्वनाथ मंदिर में वर्षीतप का शानदार आगाज किया गया। संघ के तत्वावधान में 11 मार्च को वर्षीतप का शुभारंभ साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी म.सा., साध्वीश्री सौम्यप्रभाश्रीजी म. सा. की पावन निश्रा में सम्पन्न हुआ। इसके लाभार्थी परिवार पानीबाई जेठमल बन्दामुथा सिसोदिया राणा परिवार के निवास पर सुपार्श्वनाथ जिनालय तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सुपार्श्वनाथ जैन सेवा मंडल के बैण्ड पार्टी की मधुर ध्वनि के साथ वर्षीतप के तपस्वियों का उल्लास एवं शासन प्रभावना की इस शोभायात्रा में शामिल हुए। लाभार्थी परिवार के सदस्यों के साथ 250 वर्षीतप के तपस्वियों ने भी महापूजन में सम्मिलित होकर लाभ प्राप्त किया। मीडिया प्रभारी किशोर जैन ने बताया की लाभार्थी परिवार के नरेन्द्र, विकास, विक्रम बंदा मुथा और लाभार्थी परिवार का संघ द्वारा सम्मान किया गया। भोजन समिति और सभी मंडलों और कार्यकर्ताओं का संघ ने आभार व्यक्त किया। सामूहिक वर्षीतप में 250 से ज्यादा तपस्वी भाग ले रहे हैं जो कि एक रिकार्ड है।

सीरवी समाज के लोगों ने धर्म रथ एवं दीवान माधवसिंह का किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहाँ की केआरएस रोड़ स्थित सीरवी समाज केआरएस रोड़ मैसूर की ओर से गुरुवार को धर्मरथ (बैल) एवं आईपंथ के धर्मगुरु दीवान माधव सिंहजी का बधावा किया गया। महिलाओं ने अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर दीवानजी व रथ का स्वागत किया तथा शोभा यात्रा में भाग लिया। आईजी गैर मंडल, मैसूरु गैर नृत्य की प्रस्तुति दी। शोभायात्रा विभिन्न मुख्य मार्गों से होते हुए आईमाता जी के मंदिर परिसर पहुंची। बड़ेर में समाज की ओर से धर्मगुरु का सम्मान किया गया।

साथ ही अन्य बडेरों से आए मेहमानों का भी सम्मान किया गया। ङ्गदीवान माधव सिंहजी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एकता में अखंडता है, किसी भी कार्य को एकजुट होकर करने से हमें सफलता जरूर मिलती है।

उन्होंने समाज में एकता व शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। ङ्गग़ौरतलब है कि आज से 550 वर्ष पहले माताजी ने धर्म रथ (बैल) के माध्यम से गाँव-गाँव शहर-शहर जाकर सीरवी समाज का धर्म के बारे में प्रचार-प्रसार किया जिसका अनुसरण करते हुए यह परम्परागत रथ हर जगह जाकर अपने धर्म के बारे में प्रचार कर रहा है ।

एकल अभियान-दक्षिण भारत द्वारा संरक्षक प्रशिक्षण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एकल अभियान दक्षिण भारत के अंतर्गत 11 मार्च को चेन्नई स्थित गीता भवन में प्रभाग एवं संभाग स्तर का एक दिवसीय संरक्षक प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण वर्ग में नगर संगठन, ग्राम संगठन तथा सेवाव्रती कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में एकल अभियान को जानो विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसमें अभियान के व्यापक स्वरूप, संगठनात्मक संरचना, एकल ग्राम संगठन की भूमिका, सेवाव्रती कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों तथा आपसी समन्वय पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही दक्षिण भारत क्षेत्र में चल रहे विभिन्न कार्यों की वर्तमान स्थिति एवं संरक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर मुख्य रूप से वन बन्धु परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी, एकल अभियान के केंद्रीय सह अभियान प्रमुख दीप कुमार, प्रभाग 10 के अध्यक्ष बालसुब्रमण्यन, दक्षिण भारत चेयरपर्सन वन बन्धु परिषद एवं प्रभाग संरक्षक लता मालपानी, तथा राष्ट्रीय महिला समिति की संरक्षक पुष्पा मूंधड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। चेन्नई चैप्टर के अध्यक्ष शिव कुमार गोयंका के आतिथ्य में यह प्रशिक्षण वर्ग अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त दक्षिण तमिलनाडु के संरक्षक प्रवीण टाटिया, सह संरक्षक गिरी बागड़ी-चेन्नई, डॉ. कृतिका-कोयंबटूर, गजानंद अग्रवाल-इरोड एवं रेनू मंत्री-कोच्चि, रामावतार रूंगटा, गोपीचंद सियाल, एवं एफटीएस चैप्टर के पदाधिकारी भी इस वर्ग में उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्र को शिक्षित, समर्थ, स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने के लक्ष्य की दिशा में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त हुई। मंच संचालन एवं समापन शांति मंत्र के साथ विनोद जैन द्वारा किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मावहल्ली

बेंगलूरु के मावहल्ली क्षेत्र के उपहारहल्ली में राजस्थानी महिलाओं ने शुक्रवार को दशामाता की पूजा की तथा महिलाओं ने माता की कथा सुनी। महिलाओं ने मंगलगीत गाए तथा खुशहाली की कामना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दासरहल्ली-एमसी लेआउट

बेंगलूरु के एमसी लेआउट एवं अग्रहारा दासरहल्ली में रहने वाले राजस्थानी समाज की महिलाओं द्वारा शुक्रवार को दशा माता का पर्व मनाया गया। इस 10 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं ने दशा माता की पौराणिक कथाओं का श्रवण कर पूजा की तथा परिवार की खुशहाली की कामना की।

माहेश्वरी महिला संगठन के 'गणगौर उत्सव' में गूंजे गणगौर माता के गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ओखलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा शुक्रवार को दोपहर में 'गणगौर सिंजारा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना से हुई। अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए गणगौर त्यौहार की बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत गणगौर माता की पूजा से हुई जिसमें सचिव शोभा भूतड़ा, अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा, उपाध्यक्ष निर्मला कॉकाणी, सलाहकार विमला साबू, कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की नवमनोनीत अध्यक्ष सुनीता लाहोटी उपस्थित थीं। इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं ने गणगौर की पूजा की व गणगौर माता को गीत गाकर सिंजारा मनाया। ज्ञातव्य है कि राजस्थानी महिलाओं के लिए गणगौर का त्यौहार बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। होली के दहन के दूसरे दिन से गणगौर का त्यौहार शुरू हो जाता है और 16 दिनों तक कुंवारी कन्या अच्छे वर और महिलाएं अमर सुहाग के लिए हर रोज गणगौर माता की पूजा करती है । ङ्गश्रद्धा तापड़िया और टीम ने गणगौर के गीतों पर नृत्य प्रस्तुति दी। इस आयोजन में विशेष रूप से मेट्रो व रेट्रो साड़ी पहनना प्रतियोगिता में महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। रेट्रो थीम में आयुषी लड्ढा एवं निकिता बाहेती विजयी रही तो मेट्रो थीम में सीमा भूतड़ा एवं संगीता मुंदडा विजयी घोषित हुई। विजेताओं को पुरस्कृत एवं निर्णयकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित डाइटिशियन एवं वेलनेस कोच पूजा माहेश्वरी का भी सम्मान किया गया। महिलाओं के मनोरंजन के लिए म्यूजिकल हाउजी गेम और अन्य खेलों का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन रितु चितलांगिया ने किया एवं सुनीता मूंदड़ा ने सभी को धन्यवाद दिया।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 226 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 14-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पश्चिम एशिया संकट को लेकर सिंधिया ने कांग्रेस की आलोचना की

6 भारतीय नव संवत्सर एक सांस्कृतिक उत्सव का प्रतीक

7 'मेरी बेटी नाना-नानी की तरह स्टाइलिश होगी': मसाबा गुप्ता

फर्स्ट टेक

कर्नाटक : कार और बस की टक्कर में तीन लोगों की मृत्यु, एक घायल

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। दक्षिण कन्नड़ जिले में शुक्रवार को केएसआरटीसी की एक बस और एक कार के बीच टक्कर में तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना उप्पिनांगडी पुलिस थाना अंतर्गत शिरडी घाट के पास अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे हुई जब हासन से मंगलुरु आ रही कर्नाटक पंजीकरण नंबर की एक कार धर्मस्थल से तिरुपति जा रही केएसआरटीसी की बस से टकरा गई। मृतकों की पहचान चंद्रशेखर (57), जनार्दन गौडा (58) और श्रीधर गौडा (61) के रूप में हुई है जो कार में सवार थे। कार में सवार एक अन्य व्यक्ति सुरेश (58) इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुआ जिसे मंगलुरु के एजे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उप्पिनांगडी पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया है और जांच जारी है।

रूस से तेल खरीदने के संबंध में दी गई 30 दिन की छूट सही फैसला नहीं : जेलेंस्की

पेरिस/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच रूस के तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में अमेरिका द्वारा दी गई 30 दिन की छूट सही फैसला नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे यूक्रेन पर रूस के चार साल से अधिक समय से जारी हमलों को रोकने में कोई मदद नहीं मिलेगी। पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जेलेंस्की ने कहा कि केवल इस ढील से ही रूस को युद्ध के लिए लगभग 10 अरब डॉलर मिल सकते हैं। उन्होंने कहा, ''इससे निश्चित रूप से शांति स्थापित करने में मदद नहीं मिलेगी। ''

ईरान में अभी 9,000 भारतीय नागरिक हैं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने संसद को बताया कि वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें छात्र, व्यवसायी, कारखाना कर्मचारी, तीर्थयात्री, नाविक और मछुआरे शामिल हैं। विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मारग्रेटा ने राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि भारतीय दूतावास ने ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सतर्क रहने, स्थानीय परिस्थितियों पर नजर बनाए रखने, स्थानीय मीडिया से अद्यतन जानकारी लेते रहने और दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय से प्रश्न किया गया था कि ईरान में अब भी मौजूद भारतीय नागरिकों के विवरण और उनकी सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी, जैसे कि आपातकालीन हेल्पलाइन, कांसुलर टीमों की तैनाती और ईरानी अधिकारियों के साथ सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं क्या हैं ?

14-03-2026 सूर्यास्त	15-03-2026 सूर्योदय
6:19 बजे	6:16 बजे

BSE	NSE
74,563.92	23,151.10
(-1,470.50)	(-488.05)

सोना	चांदी
16,546 रु.	275,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

शांति एवं विकास का एक नया अध्याय लिख रहा है पूर्वोत्तर : मोदी

▪ भाजपा ने पूर्वोत्तर में स्थायी शांति सुनिश्चित की, कांग्रेस ने 'स्वार्थी हितों' को ऊपर रखा : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वोत्तर में बमों और गोलीबारी की आवाज अब बीते दिनों की बात हो गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित की, जबकि कांग्रेस ने ''स्वार्थ केंद्रित राजनीतिक हितों'' के लिए विभिन्न समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बारिश के कारण यात्रा कार्यक्रम में बाधा आने के बाद गुवाहाटी से 'डिजिटल' माध्यम से असम के कोकराझार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य ''डबल इंजन'' सरकार के तहत शांति एवं विकास का एक नया अध्याय लिख रहा है।

मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने स्वदेशी लोगों की जमीन घुसपैठियों को सौंपकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का काम किया। उन्होंने कहा, आगामी चुनावों में कांग्रेस को दंडित करें और यह स्पष्ट संदेश दें कि इस देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है।

असम विधानसभा की 126 सीट के लिए चुनाव अप्रैल में होने की संभावना है।

मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा घुसपैठियों के साथ मिलीभगत करती रही है और उसने राज्य की मूल आबादी को कभी कानूनी रूप से भूमि अधिकार नहीं दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी भूमि घुसपैठियों को सौंप दी, और धुबरी तथा गोलपारा जैसे जिलों में स्थिति गंभीर थी, जिससे कोकराझार की जनसांख्यिकी प्रभावित हुई।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अतिक्रमण मुक्त भूमि के लिए एक बड़ा अभियान चला रहे हैं और भाजपा सरकार ने आदिवासी लोगों को उनके अधिकार सौंप दिए हैं। मैं इस संबंध में सहयोग देने के लिए आदिवासी समुदायों के लोगों का भी आभारी हूं।''

मोदी ने कहा कि कोकराझार दशकों से कांग्रेस के विश्वासघात का साक्षी रहा है, क्योंकि विपक्षी कांग्रेस ने झूठे वादे किए थे। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने दिखावे और स्वार्थी हितों के लिए शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन भाजपा ने स्थायी शांति के लिए काम किया और बोडोलैंड का विकास सुनिश्चित किया।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि बोडोलैंड की पहाड़ियां दशकों तक बंदूकों और बम धमाकों की आवाजों से गूंजती रहीं, लेकिन ''अब वे दिन बीत चुके हैं, और यह शांति एवं विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है''।

शिवकुमार ने लगाया ओडिशा में 'ऑपरेशन लोटस' का आरोप

कांग्रेस विधायक पहुंचे बेंगलूरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। 'ऑपरेशन लोटस' की आशंकाओं के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा ओडिशा के कांग्रेस विधायकों पर दबाव डाल रही है और उन्हें अपने राज्यसभा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए बड़े प्रलोभन दे रही है।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा 'ऑपरेशन लोटस' को अंजाम दे सकती है, जिसके कारण भाजपा शासित ओडिशा के कांग्रेस विधायकों को बेंगलूरु लाया गया है।

शिवकुमार ने यहां डेरा डाले हुए ओडिशा के विपक्षी (कांग्रेस) विधायकों से मुलाकात के बाद दावा किया, ''इस बात का डर है कि वे (भाजपा) 'ऑपरेशन लोटस' को अंजाम दे सकते हैं। वे (भाजपा) हमारे लोगों पर बहुत दबाव डाल रहे हैं और उन्हें बड़े-बड़े प्रलोभन दे रहे हैं। इसलिए सभी पर बहुत दबाव है। वे किसी भी तरह राज्यसभा सीट जीतना चाहते हैं।''

'ऑपरेशन लोटस' एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल भाजपा के प्रतिद्वंद्वी यह दावा करने के लिए करते हैं कि भाजपा विपक्षी खेमे के विधायकों का समर्थन हासिल करने के लिए पिछले दरवाजे से प्रयास करती है ताकि या तो सरकार बनाई जा सके या राज्यसभा चुनाव में सीट जीती जा सके।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पार्टी की ओडिशा इकाई के लगभग आठ विधायकों को बृहस्पतिवार देर रात भुवनेश्वर से बेंगलूरु लाया गया और उन्हें शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक रिसॉर्ट में ठहराया गया है।

रुपया 92.45 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद

मुंबई/भाषा। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल की कीमतें 101 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच जाने के बीच रुपया शुक्रवार को 20 पैसे टूटकर 92.45 प्रति डॉलर (अस्थायी) के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत रुख, विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने रुपए पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.47 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में रुपया 92.45 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को 24 पैसे टूटकर 92.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''घरेलू बाजारों में कमजोरी और डॉलर के मजबूत होने से रुपया शुक्रवार को नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट,

सेंसेक्स 1,471 अंक लुढ़का

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 1,470 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी को 488 अंकों का नुकसान हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में भारी बिकवाली, विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और रुपए की कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,470.50 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,563.92 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,579.82 अंक यानी दो प्रतिशत गिरकर 74,454.60 अंक पर आ गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 488.05 अंक यानी 2.06 प्रतिशत फिसलकर 23,151.10 अंक पर बंद हुआ।

बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 941 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 132 अन्य शेयरों के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

लिवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के. ने कहा कि बाजार में आई यह तेज गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और भारत जैसी ऊर्जा आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए बढ़ती व्यापक आर्थिक चिंताओं के कारण है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 10,24,181.74 करोड़ रुपए घटकर 4,29,82,252.27 करोड़ रुपए रह गया।

साप्ताहिक आधार पर देखें तो बीएसई सेंसेक्स में इस हफ्ते कुल 4,354.98 अंक यानी 5.51 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 1,299.35 अंक यानी 5.31 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा भारत : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि हालिया युद्ध के कारण पैदा हुए वैश्विक संकटों और आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत सक्षम नेतृत्व की वजह से विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

लखनऊ में 1,519 करोड़ रुपये की ग्रीन कॉरिडोर परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह के मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, आप देख ही रहे होंगे कि एक युद्ध छिड़ गया है। दुनिया में आर्थिक उथल-पुथल का माहौल है और इन परिस्थितियों में भी, हमारा देश अपनी विकास यात्रा पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है... क्योंकि देश के पास सक्षम और कुशल नेतृत्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व यह सुनिश्चित कर रहा है कि विकास की गति को तेज करते हुए देश की हर जरूरत को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि उस सक्षम नेतृत्व के तहत, भारत तेजी से प्रगति कर रहा है, हर क्षेत्र की जरूरतों को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर से लखनऊ शहर भर में यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जो दूरी तय करने में पहले 15 मिनट से लेकर एक घंटे तक का समय लगता था, अब वह सिर्फ 10 से 15 मिनट में तय की जा सकती है।

सरकार ने निर्बाध एलपीजी आपूर्ति का भरोसा दिया

घबराहट में बुकिंग न करने की सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया संकट से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बीच सरकार ने शुक्रवार को कहा कि घरों के लिए एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है और गैस सिलेंडर के लिए घबराहट में बुकिंग करने की कोई जरूरत नहीं है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि पांच मार्च से अब तक घरेलू एलपीजी उत्पादन में 30 प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है। उन्होंने कहा, ''घबराहट में सिलेंडर की बुकिंग की कोई जरूरत नहीं है, और किसी भी एलपीजी डीलर के पास स्टॉक खत्म नहीं हुआ है।''

शर्मा ने बताया कि ईरान युद्ध से पहले औसतन 55.7 लाख बुकिंग के मुकाबले इस समय एलपीजी बुकिंग बढ़कर 75.7 लाख हो गई है, जो स्पष्ट रूप से घबराहट में की जा रही बुकिंग को दर्शाता है।

पाकिस्तान ने हवाई हमलों में आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाया : अफगानिस्तान

▪ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने की अपील के बावजूद दोनों पड़ोसी देशों के बीच लड़ाई का यह तीसरा सप्ताह है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काबुल/एपी। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने शुक्रवार को पाकिस्तानी सेना पर काबुल और देश के अन्य क्षेत्रों में रात भर चले हवाई हमलों में आम लोगों के घरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। तालिबान ने कहा कि इन हमलों में कम से कम छह नागरिक मारे गए और कई अन्य घायल हुए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने की अपील के बावजूद दोनों पड़ोसी देशों के बीच लड़ाई का यह तीसरा सप्ताह है।

अफगान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्ला मुजाहिद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि पाकिस्तान के विमान ने कंधार हवाई अड्डे के पास स्थित निजी एयरलाइन 'काम एयर' से संबंधित ईंधन डिपो (ईंधन भंडार केंद्र) पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, ''यह कंपनी नागरिक विमानों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के विमान को ईंधन की आपूर्ति करती है।'' इस बीच, पाकिस्तान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि देश के सशस्त्र बलों ने चलाए जा रहे अभियान के तहत 'अफगानिस्तान के अंदर सफल हवाई हमले' किए, जिसमें अफगानिस्तान में कथित तौर पर चार आतंकवादी ठिकानों और उनके सहायक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

ये घटनाक्रम दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है, जिसे पाकिस्तान ने 'खुला युद्ध' करार दिया है।

इससे क्षेत्र में स्थिरता को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं, क्योंकि अमेरिका और इजराइल का ईरान के खिलाफ चल रहा युद्ध लगातार जारी है, जिससे व्यापक अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

यह विवाद पाकिस्तान के इस विश्वास पर आधारित है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार उन आतंकवादी समूहों को पनाह दे रही है जो उसके खिलाफ हमले करते हैं और साथ ही उसके कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के साथ गठबंधन कर रही है। तालिबान ने आतंकवादी समूहों को पनाह देने से इनकार किया है।

फरवरी के आखिर से ही पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। अफगानिस्तान ने कहा था कि उसने सीमा पर पाकिस्तानी हमलों के जवाब में पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाकर हमले किए थे।

ईरान ने किए खाड़ी देशों और इजराइल पर हमले, ट्रंप ने दी चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने खाड़ी के अरब देशों पर शुक्रवार तड़के कई हमले किए, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उसे बड़े जवाबी हमले की चेतावनी दी।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''देखते रहिए, आज इन कुटिल लोगों का क्या हश्र होता है। ईरान की नौसेना नाश हो चुकी है, वायुसेना तबाह हो गई है। मिसाइल, ड्रोन और सब कुछ खत्म हो गए हैं और उनके नेताओं का नामोनिशान धरती से मिटा दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''हम ईरान के आतंकी शासन को सैन्य, आर्थिक और हरेक तरीके से पूरी तरह नष्ट कर रहे हैं।''

ट्रंप ने कहा, ''वे 47 वर्ष से दुनिया भर में निर्दोष लोगों को मार रहे हैं और अब मैं, अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति होने के नाते, उन्हें मार रहा हूं। ऐसा करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति की इन टिप्पणियों से एक दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुज्तबा खामेनेई ने ईरानियों के खून का बदला लेने से पीछे न हटने का संकल्प लिया था। उन्होंने खाड़ी के अरब देशों को अमेरिकी ठिकाने बंद करने की चेतावनी देते हुए कहा था कि अमेरिकी सुरक्षा की धारणा झूठ के सिवा कुछ नहीं है।

मोजतबा खामेनेई को बख्शा नहीं जाएगा : नेतन्याहू

यरुशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल का संयुक्त अभियान ''उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है'' और इजराइल ''पहले से कहीं अधिक मजबूत'' है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के नव निर्वाचित सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को भी ''बख्शा'' नहीं जाएगा।

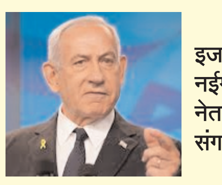

इस सवाल के जवाब में कि क्या इजराइल खामेनेई और हिजबुल्ला नेता नईम कासिम को निशाना बनाएगा, इस पर नेतन्याहू ने कहा, ''मैं किसी भी आतंकी संगठन के नेता को नहीं बख्शूंगा।''

मोजतबा के पिता ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में मारे गए थे।

ईरान युद्ध के बीच तुर्किये के ऊपर तीसरी बैलिस्टिक मिसाइल को नाटो ने मार गिराया

इस्तांबुल/एपी। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की वायु रक्षा प्रणालियों ने तुर्किये के ऊपर ईरान से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को शुक्रवार को मार गिराया।

रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। यह ईरान युद्ध की शुरुआत के बाद से इस तरह की तीसरी घटना थी। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल को पूर्वी भूमध्यसागर में तैनात नाटो की वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा नष्ट कर दिया गया।

दक्षिणी शहर अदाना के निवासियों ने शुक्रवार तड़के जोरदार विस्फोट और इंसरलिक वायुसेना अड्डे पर सायरन की आवाज सुनी। इस वायुसेना अड्डे का इस्तेमाल अमेरिकी बलों द्वारा किया जाता है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाजिर हो

जनप्रतिनिधि का दायित्व यही,
कर्तव्यों पर वे रहे स्थित।
बहुमूल्य वोट देकर उनको,
हमने चाहा जन-जन का हित।
संसद है पूजा स्थल उनका,
जब खुले रहे तब हाजिर नित।
वर्ना पूछेगी जनता अब,
क्यों रहे सदन से अनुपस्थित।।

बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस का 'हल्ला बोल', चूल्हे पर खाना बनाकर जताया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ शुक्रवार को जोधपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने मोर्चा खोल दिया। नई सड़क स्थित राजीव गांधी प्रतिमा के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विशाल धरना-प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान शहर जिला महिला कांग्रेस ने सड़क पर चूल्हा जलाकर और उस पर खाना बनाकर अनोखा विरोध दर्ज कराया। महिला नेताओं ने भाजपा की वरिष्ठ नेत्रियों पर तंज कसते हुए पूछा कि जब कांग्रेस सरकार में मामूली दाम बढ़ते थे, तब वे सिलेंडर लेकर सड़क पर बैठती थीं, लेकिन आज जब आम जनता का बजट बिगड़ गया है, तो वे खामोश क्यों हैं? शहर जिलाध्यक्ष ओंकार वर्मा ने कहा कि केंद्र की नीतियों के कारण जनता महंगाई की चक्की में पिस रही है। भोपालगढ़ विधायक और देहात जिलाध्यक्ष गीता बरवड़ ने कहा कि घरेलू गैस के दाम बढ़ाकर सरकार ने आम आदमी के मुंह का निवाला छीनने का काम किया है। पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह सोलंकी ने केंद्र को 'पूंजीपतियों की सरकार' करार दिया, वहीं पूर्व महापौर कुंती देवड़ा ने सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में जोधपुर लोकसभा प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा, हीरालाल मुंडेल, पूर्व अध्यक्ष नरेश जोशी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि कीमतें कम नहीं हुईं, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं डोटासरा : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने बृहस्पतिवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बेढम ने कहा कि राज्य सरकार आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा, डोटासरा राजस्थान की जनता को भ्रमित करने के अवसर तलाशते रहते हैं और विकास से ज्यादा उनका ध्यान राजनीतिक लाभ पाने पर है। ऐसे समय में ओछी राजनीति करना अस्वीकार्य है।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी निष्ठा के साथ आम जनता के कल्याण के लिए काम कर रही है। बेढम की यह प्रतिक्रिया डोटासरा के उस बयान पर आई है जिसमें उन्होंने एलपीजी गैस आपूर्ति बाधित होने को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर हमला बोला था। डोटासरा ने कहा था कि केंद्र और राज्य सरकारें स्थिति संभालने में विफल रही हैं और लोगों को संकट से खुद निपटने के लिए छोड़ दिया है। उन्होंने कहा था, जैसे नोटबंदी के दौरान लोगों को कतारों में खड़ा किया गया था, वैसे ही अब गैस सिलेंडर के लिए कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने भी डोटासरा पर निशाना साधते हुए उनके बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताया और आरोप लगाया कि वे जनता में घबराहट फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन जनप्रतिनिधियों की नैतिक जिम्मेदारी भी होती है कि वह विशेषकर मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने पर जिम्मेदारी से बयान दें।

उन्होंने कहा, वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण पेट्रोल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस जैसी पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव है, लेकिन राजस्थान में किसी तरह की कमी या कालाबाजारी देखने को नहीं मिली है। राठौड़ ने यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस सरकार को राज्य में संकट से निपटने में सहयोग दिया था।

खान विभाग ने अधिकारियों से कहा, राजस्व की पूर्ण प्राप्ति सुनिश्चित करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के खान विभाग ने 'फील्ड' अधिकारियों को मार्च महीने के लिए तय किए गए राजस्व संग्रह लक्ष्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया है। खान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने बताया कि विभाग ने मार्च महीने में 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, रविकांत ने बृहस्पतिवार को विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इसमें उन्होंने 'फील्ड' अधिकारियों को मार्च महीने के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा 10 मार्च तक 9135 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व संग्रहण किया गया है जो गत वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 936 करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने बताया कि विभाग ने बीते तीन महीनों दिसंबर, जनवरी और फरवरी में बेहतर वृद्धि दर के साथ राजस्व संग्रहण किया है।

फरवरी में 1060 करोड़ रुपये का रिकार्ड राजस्व संग्रहण किया है। रविकांत ने कहा, आगामी दिनों के लिए खाका तैयार कर लिया गया है और इसे सभी 'फील्ड' अधिकारियों के साथ साझा किया गया है। राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि जब भी परिवहन विभाग खनिजों से भरे वाहनों की जांच करें, तो खान विभाग को सूचना भेजी जाए ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि वाहनों के पास वैध परमिट हैं और वे अनुमत मात्रा के भीतर ही खनिजों का परिवहन कर रहे हैं।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में आंधी-बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम में बदलाव से राजस्थान के कुछ हिस्सों में शनिवार से आंधी चलने व हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है जिससे आगामी एक-दो दिन आंशिक तौर पर बादल छाए रह सकते हैं तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। वहीं 14-15 मार्च को अजमेर, जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिले, गंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों व आसपास के क्षेत्र में कहीं-कहीं हल्की आंधी-बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसी तरह एक और नए पश्चिमी विक्षोभ के 19-21 मार्च के दौरान सक्रिय होने तथा कहीं-कहीं आंधी-बारिश होने का अनुमान है।

शुक्रवार सुबह तक के चौबीस घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा और अधिकतम तापमान कोटा में 39.8 डिग्री व बाड़मेर में 39.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को रैंकिंग सुधारने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को फ्लैगशिप योजनाओं एवं बीस सूत्री कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने की। बैठक में विगत बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट, विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की विभागवार प्रगति तथा बीस सूत्री कार्यक्रम की स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला कलक्टर ने नवीन परिवारों को एनएफएसए से लाभान्वित करने की योजना के तहत जिला रसद अधिकारी (शहरी एवं ग्रामीण) को निर्देश दिए कि योजना की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उपखण्ड अधिकारियों एवं नगर निगम के उपायुक्तों के साथ साझा करते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग करें तथा मार्च 2026 में जिले की रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करें।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि बैठक में ऊर्जा विभाग की कुसुम योजना एवं संशोधित वितरण क्षेत्र योजनाओं की प्रगति में सुधार लाने तथा अंतर्विभागीय समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। महिला अधिकारिता विभाग की लाडो प्रोत्साहन योजना में राज्य स्तरीय रैंकिंग 37वीं होने पर जिला कलक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए मार्च 2026 तक रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण कार्यों में तेजी लाकर मार्च 2026 तक जिले की रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिये गए हैं। जिला कलक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में जिले की स्थिति संतोषजनक नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाकर रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के अंतर्गत गवर्नेंस में राज्य स्तरीय 39वीं रैंक होने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया तथा संबंधित अधिकारियों को तीन दिवस में विद्यालयों में ऑफिस विजिट के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं अटल प्रगति पथ योजना के शेष कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ करवाकर प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने क्षेत्रीय उपनिदेशक, स्वायत्त शासन विभाग को संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र प्रगति सुनिश्चित करने तथा नगरीय निकायों से संबंधित योजनाओं की समीक्षा कर मार्च 2026 तक सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मिशन हरियालो राजस्थान में लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया जा रहा है, फिर भी अन्य जिलों की तुलना में बेहतर प्रगति के लिए और प्रयास करने की आवश्यकता है।

जल जीवन मिशन एवं अमृत योजना की प्रगति पर भी जिला कलक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए मार्च 2026 तक कार्यों में तेजी लाकर रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में जिले की राज्य स्तरीय रैंकिंग 24वीं होने पर संबंधित विभागों को कार्ययोजना बनाकर मार्च 2026 तक प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, जनता और सरकार के बीच संवाद का मजबूत सेतु : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। वे जनता और सरकार के बीच संवाद का एक मजबूत सेतु है। पत्रकारों पर समाज को विश्वास होता है तथा पत्रकार सदैव जनहित के मुद्दे सामने लाकर समाज को जागरूक करते हैं। जब मीडिया निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ काम करता है तो लोकतंत्र और मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में पत्रकारों के कल्याण के लिए अनेक निर्णय लिए गए हैं। हमारी सरकार पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा एवं उनके हितों के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेशभर के पत्रकारों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी मेहनत और समर्पण के साथ निरंतर कार्य करते हैं। वे जनहित की खबरों को जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। आज के दौर में पत्रकारों का योगदान और भी बढ़ गया है। सूचना के इस युग में पत्रकार सही एवं विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रदेश में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को आधार मानकर ग्राम पंचायतों से लेकर नगर निकायों तक के समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा पानी जैसी बुनियादी सुविधा को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी, गंगनहर, माही सहित परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। साथ ही, प्रदेश मेंबिजलीतंत्र को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। राजस्थान में आज 22 जिलों में दिन में बिजली दी जा रही है, 2027 तक सभी जिलों में दिन में बिजली देने के लिए हम संकल्पित हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर दिए जा रहे हैं। हमारी सरकार युवाओं को 4 लाख सरकारी क्षेत्र में एवं 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी है। 1 लाख 33 हजार भर्ती प्रक्रियाधीन हैं तथा 1 लाख से ज्यादा पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया जा चुका है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पत्रकारों से व्यक्तिशः संवाद किया और उनके सुझावों को भी सुना तथा उनकी सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।पत्रकारों ने इस वर्ष के बजट में राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजनाके अंतर्गत दी जाने वाली सम्मान राशि को 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने के साथ ही राजस्थान आवासन मंडल के माध्यम से जयपुर में आवासीय योजना लाये जाने की घोषणा सहित अन्य पत्रकार कल्याण के कार्यों के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

राजस्थान-गुजरात सीमा पर धनेरा के पास बस में आग लगने से यात्री घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान-गुजरात सीमा पर शुक्रवार सुबह एक निजी बस में भीषण आग लग गई, जिससे एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया और यात्री सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई। अन्य यात्रियों को तेजी से सुरक्षित निकाला गया, जिससे कोई बड़ी त्रासदी टल गई।

रिपोर्ट के अनुसार, नचना और अहमदाबाद को जोड़ने वाली हाल ही में शुरू की गई एक निजी बस सेवा शुक्रवार सुबह बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गई। बस केवल अपने तीसरे दिन ही परिचालन में थी जब धनेरा के पास नेनावा क्षेत्र में इसके एसी यूनिट में शॉर्ट सर्किट हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जहरीली धुआं जल्द ही बस के अंदर फैल गया और कुछ ही क्षणों में आग फैल गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चालक और कंडक्टर की तत्परता के कारण सभी यात्रियों को तुरंत वाहन से निकाला गया। हालांकि, इस अफरातफरी के बीच एक यात्री चोट लगने व जलने से घायल हो गया और उसे तुरंत धनेरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। आग इतनी तीव्र थी कि बस मिनटों में गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का मूल्यांकन किया। घायल यात्री को धनेरा में प्राथमिक उपचार के बाद पलानपुर रेफर किया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, यात्री की स्थिति गंभीर है। कई अन्य यात्रियों को हल्की चोटें आईं और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। स्वागत ट्रैवल्स के ऑपरेटर निर्मल रायानी ने कहा कि नचना और अहमदाबाद के बीच बस सेवा हाल ही में शुरू की गई थी।

कलाएं रहेंगी, तभी संस्कृति जीवित रहेगी : खराड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी शुक्रवार को सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) सभागार में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग तथा माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय नेशनल ट्राईबल भित्ति चित्र एवं माण्डना कला कार्यशाला के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। खराड़ी ने देश भर से आए जनजाति कलाकारों का स्वागत किया। उन्होंने भित्ति चित्र, मांडना और जनजातीय कला जैसी परंपराएं केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और जीवन मूल्यों की धरोहर हैं। खराड़ी ने कहा कि सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे, जिससे कलाकारों को प्रोत्साहन मिले और आने वाली पीढ़ियां भी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रह सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऐसे हालात बन रहे हैं, जिससे संस्कार और संस्कृति का क्षरण हो रहा है। इस तरह की कार्यशालाएं इन कलाओं को पुनर्जीवित करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम सिद्ध हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कलाएं रहेंगी तभी संस्कृति जीवित रहेगी। इसलिए इन कलाओं का संरक्षण करना आवश्यक है।

तकनीकी शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों का समावेश अनिवार्य : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में 'तकनीक' प्रधान हो सकती है, लेकिन इसका अंतिम लक्ष्य 'मनुष्यता का विकास' होना चाहिए। देवनानी बीकानेर में शुक्रवार को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय (बीटीयू) के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस गरिमामय अवसर पर कुलगुरु ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए 'विद्या वाचस्पति' की मानद उपाधि से भी विभूषित किया। साथ ही राज्यपाल और कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे के संबोधन का वाचन किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने ङ्कवर्तमान दौर की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैट जीपीटी जैसे संसाधनों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एआई कार्यों को सुगम जरूर बना सकती है, लेकिन यह कभी भी मानव मस्तिष्क और उसकी संवेदनशीलता का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने विद्यार्थियों को आगाह किया कि केवल मशीनी ज्ञान पर निर्भरता घातक हो सकती है; असली मेधा मनुष्य के मौलिक चिंतन और विवेक में ही निहित है।

देवनानी ने ऋग्वेद के मंत्र 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें विश्व भर के श्रेष्ठ विचारों को अपनाना चाहिए। आईटी उन्होंने ऋषि कणाद, आर्यभट्ट और कौटिल्य जैसे विद्वानों का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत की ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। उन्होंने नई शिक्षा नीति (एनईपी) की सराहना करते हुए कहा कि कौशल विकास और व्यावहारिक ज्ञान ही 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने का सबसे बड़ा मंत्र है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्टालिन ने प्रधानमंत्री से किया जल जीवन मिशन का 3,112 करोड़ रुपये की बकाया राशि जारी करने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्य में जल जीवन मिशन' योजनाओं को पूरा करने के लिए लंबित 3,112 करोड़ रुपये की बकाया राशि जारी करने का शुक्रवार को अनुरोध किया। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि हाल में जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने संकेत दिया है कि होगेनक्कल संयुक्त जल आपूर्ति योजना के तीसरे चरण के लिए केंद्र की सहायता प्रदान नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि ऐसा तब किया जा रहा है जब इस परियोजना को जून 2023 में मंजूरी मिल चुकी है।

स्टालिन ने कहा, इस योजना को 15 जून 2023 को जल शक्ति मंत्रालय की राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति में 8,428 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई थी। इसमें केंद्र सरकार का 'जल जीवन मिशन' के तहत 2,283 करोड़ रुपये का हिस्सा शामिल है। जल जीवन मिशन के तहत राज्य की महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डालते हुए स्टालिन ने कहा कि 1.12 करोड़ घरों में अब घरेलू नल कनेक्शन हैं जो कुल 1.25 करोड़ ग्रामीण परिवारों का 90 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, जल जीवन मिशन के पहले चरण में राज्य ने कुल 18,123 करोड़ रुपये की लागत से 45 नयी बहु-ग्राम योजनाएं, 56 संयुक्त जल आपूर्ति योजनाओं का नवीनीकरण और 21,258 एकल ग्राम योजनाएं शुरू कीं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सभी एकल ग्राम योजनाएं और 101 बहु-ग्राम योजनाओं तथा नवीनीकरण योजनाओं में से 92 पूरी हो चुकी हैं, जबकि शेष नौ बहु-ग्राम योजनाएं कार्यान्वयन के अगले चरण में हैं।''

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत अपने हिस्से से 5,914 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं जिससे 3,112 करोड़ रुपये की बकाया राशि शेष है। उन्होंने कहा, 2024-25 के दौरान तमिलनाडु के लिए 2,434 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे लेकिन केवल 732 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं और सितंबर 2024 के बाद से कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यों की प्रगति जारी रहे और कार्य समय पर पूरे हों, ये सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत जारी कार्यों के व्यय को पूरा करने के लिए राज्य संसाधनों से 2,550 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि जारी की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार ग्रामीण आबादी के लिए सतत और समान पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अपना निरंतर समर्थन जारी रखेगी। उन्होंने कहा, ''मैं आपके अनुरोधों पर सकारात्मक विचार और तत्काल हस्तक्षेप की आशा करता हूं।''

धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को सचिवालय में पूर्व सैनिक संघ के सदस्यों ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की। इस अवसर पर पूर्व सैनिक संघ के सदस्य अजय कुमार बादल, पी. प्रेम कुमार, पटरान, जॉन प्रिंस, आर. निर्मल कुमार, जेसन पीटर, एम. सुरेश कुमार, आर. गणेशन, एस. मुनुगलमी, दिव्या प्रभा, श्यामा, तमिलकुमार, चवनन, एम. अरुण, पी. थेन्नारासु, के. जयकुमार, डी. रमेश, के. अरुणकुमार, पी. प्रवीणकुमार और बिमुरुगन ने उनसे मुलाकात की और तमिलनाडु के पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए चेंगलपट्टू जिले के पुनिथा थोमाइयार पहाड़ी पर 35.45 करोड़ रुपये की लागत से पूर्व सैनिक छात्रावास और प्रशिक्षण केंद्र भवन के निर्माण की आधारशिला रखने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कोयंबटूर में 44 एकड़ जमीन खरीदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर/नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक आवासीय परियोजना के विकास के लिए 44 एकड़ जमीन खरीदी है, जिससे लगभग 450 करोड़ रुपये की राजस्व आय का अनुमान है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने सीधी खरीद के जरिये इस जमीन का अधिग्रहण किया है और आगामी परियोजना में आवासीय भूखंडों की पेशकश करेगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा, कंपनी की योजना 11 लाख वर्ग फुट की विकास क्षमता वाली प्रीमियम आवासीय भूखंड परियोजना को विकसित करने की है, जिससे लगभग 450 करोड़ रुपये की राजस्व आय की संभावना है।

हालांकि कंपनी ने खरीदी गई इस जमीन की कीमत साझा नहीं की। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव पांडेय ने कहा कि कोयंबटूर के रियल एस्टेट बाजार में कंपनी का प्रवेश देश भर के उच्च-क्षमता वाले शहरों में भूखंड विकास के विस्तार की रणनीति के अनुरूप है।

मिलनाडु चुनाव

द्रमुक ने केएमडीके को दो सीट आवंटित कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। सत्ताधारी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अपने सहयोगी कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) को दो सीट आवंटित की हैं। पार्टी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

द्रमुक ने एक बयान में कहा कि यहां पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवलयम में हुई बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया कि केएमडीके यहां द्रमुक के 'उगते सूरज' चिन्ह के तहत दो सीट पर चुनाव लड़ेगी।

केएमडीके ने 2021 के चुनावों में तीन सीट पर चुनाव लड़ा और इसके महासचिव ईआर ईश्वरन, तिरुचेनकोड निर्वाचन क्षेत्र से विजयी हुए। अब तक द्रमुक ने अपने मुख्य सहयोगी कांग्रेस को 28 सीट, वाइको के नेतृत्व वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) को चार सीट और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग तथा मानिथनेया मक्कल काची को दो-दो सीट आवंटित की हैं। राज्य में विधानसभा चुनाव अप्रैल में होने की संभावना है।

'आईआरसीई 2026' में हिंदुस्तान जिंक ने किया मजबूत रेल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में जिंक की भूमिका का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड जिंक और शीर्ष पाँच सिल्वर उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने 12 से 14 मार्च तक चेन्नई में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल रेल कोच एक्सपो 2026 में दर्शाया कि जिंक बेस्ड सॉल्यूशन रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को किस प्रकार मजबूत कर सकते हैं और लाइफसाइकल मजबूती को बढ़ा सकते हैं।

भारत का रेलवे नेटवर्क एक लाख किलोमीटर से अधिक ट्रैक पर फैला है और हर साल अरबों यात्रियों द्वारा सफर किया जाता है। इस बड़े सिस्टम का अधिकततर हिस्सा स्टील के इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है, जिसमें ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन मास्ट और पुल से लेकर सिग्नल पोस्ट और स्टेशन स्ट्रक्चर तक शामिल हैं। हालांकि, भारत की लंबी कोस्टलाइन, अधिक नमी, मानसून की स्थिति और इंडस्ट्रियल प्रदूषण स्टील को जंग लगने का खास तौर पर नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे स्ट्रक्चरल मजबूती पर असर पड़ सकता है और मेंटेनेंस का खर्च बढ़ सकता है।

जिंक गैल्वनाइजेशन, जिसमें स्टील पर एक प्रोटेक्टिव जिंक लेयर की कोटिंग की जाती है इस चुनौती से निपटने के लिए एक भरोसेमंद ग्लोबल सॉल्यूशन के तौर पर सामने आया है। जिंक कोटिंग एक फिजिकल बैरियर और एक सैक्रिफिशियल लेयर दोनों का काम करती है, जिससे स्टील स्ट्रक्चर की उम्र काफी बढ़ जाती है और मेंटेनेंस की जरूरतें कम हो जाती हैं। जापान और यूरोप के हाई.स्पीड सिस्टम सहित दुनिया भर के बड़े रेल नेटवर्क में जिंक़ कोटेड स्टील का उपयोग जरूरी रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा, मजबूती और भरोसे को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है।

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ एवं होल टाइम डायरेक्टर अरुण मिश्रा ने कहा इस बारे में कहा कि, भारत में रेलवे नेटवर्क अपने इतिहास में सबसे अधिक बदलाव लाने वाले नेटवर्क में से एक है। जैसे-जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा और मॉडर्न हुआ है मजबूती और लाइफसाइकल भी बहुत जरूरी हो गए हैं। जिंक-बेस्ड प्रोटेक्शन स्टील इंफ्रास्ट्रक्चर को जंग लगने से बचाने में मदद करता है ताकि सेफ्टी बनी रहे, नुकसान को रोका जा सके और रेल एसेट्स के लिए लंबे समय तक स्टेबिलिटी बनी रहे, जो भारत के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के पिलर्स बनाने के विजन के अनुरूप है। आईआरसीई 2026 में हिंदुस्तान जिंक के पवेलियन में ट्रेन जैसा इंस्टॉलेशन है, जो विजिटर्स को एक ऐसा इमर्सिव अनुभव प्रदान करता है जिसमें दर्शाया गया है कि जिंक किस प्रकार से मॉडर्न रेलवे सिस्टम की रीढ़ को मजबूत करता है। पवेलियन गैल्वेनाइज्ड स्टीलए जंग से बचाने वाले सिस्टम और जरूरी रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर कंपोनेंट्स में जिंक के उपयोग को दिखाता है।

शशिकला ने नई पार्टी का नाम घोषित किया, कहा- आगामी चुनाव गठबंधन में लड़ेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्नाद्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता वी. के. शशिकला ने अपनी नयी राजनीतिक पार्टी शुरू करने की घोषणा के कुछ हफ्तों बाद शुक्रवार को अपने संगठन के नाम की घोषणा की। उनके संगठन का नाम होगा- ''ऑल इंडिया पुराची थलाइवर मक्कल मुनेत्र कषगम।''

चौबीस फरवरी को, अन्नाद्रमुक की पूर्व प्रमुख दिवंगत जे. जयललिता की 74वीं जयंती के अवसर पर उनकी करीबी सहयोगी शशिकला ने रामनाथपुरम जिले के कमुथी में पार्टी के झंडे का अनावरण किया।

शशिकला ने पत्रकारों से कहा कि नयी पार्टी का चुनाव चिह्नारियल का बाग होगा, जो उस एकता का प्रतीक है, जिसके लिए वह हमेशा प्रयास करती रही हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव गठबंधन में लड़ेगी।

तमिलनाडु में 398 रसोई गैस सिलेंडर जमा करने के आरोप में दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै में काला बाजारी के लिए कथित रूप से 398 रसोई गैस सिलेंडर जमा करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर गुंडा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि सिलेंडर की जमाखोरी के मामले में राज्य में पहली बार इतनी कड़ी कार्रवाई की गई है। इस बीच तमिलनाडु पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने लोगों से पेट्रोल और डीजल की घबराहट में खरीदारी नहीं करने की अपील की है। संगठन का कहना है कि तमिलनाडु के 14 टर्मिनलों में 7,000 से अधिक खुदरा विक्रय केंद्रों की मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त ईंधन भंडार उपलब्ध है।

मदुरै में गिरफ्तारी उस समय हुई जब नागरिक आपूर्ति आपराधिक जांच विभाग (सीएस-सीआईडी) को घरेलू सब्सिडी वाले गैस सिलेंडरों को व्यावसायिक उपयोग के लिए अवैध रूप से इस्तेमाल करने के प्रयास की सूचना मिली। सूचना के आधार पर विशेष टीम ने कोविलपप्पाकुडी इलाके में पलानी के घर के पास एक खाली भूखण्ड पर छापा मारा, जहां से सब्सिडी वाले 100 घरेलू सिलेंडर और 109 व्यावसायिक सिलेंडर जब्त किए गए। इसके बाद आनंदम नगर में 27 वर्षीय मदन कुमार के घर पर छापे में 189 और सिलेंडर बरामद किए गए, जिनमें 126 व्यावसायिक सिलेंडर शामिल थे।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और बाद में उन्हें चोरबाजारी निवारण और आवश्यक वस्तु प्रदाय अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई मदुरै के जिलाधिकारी प्रवीण कुमार के आदेश पर की गई। सीएस-सीआईडी के मदुरै जोन ने चेतावनी दी है कि आवश्यक वस्तुओं की अवैध जमाखोरी पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई क्षेत्र में ईंधन और गैस की संभावित कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच की गई है। तमिलनाडु पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के पी मुरली ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार है, जो कम से कम तीन सप्ताह तक चल सकता है। मुरली ने कहा, लोगों को किसी तरह की कमी से डरने की जरूरत नहीं है। सभी डीलरों के पास पर्याप्त स्टॉक है और उन्हें तेल कंपनियों से लगातार आपूर्ति मिल रही है। घबराहट में खरीदारी केवल कृत्रिम किल्लत पैदा करेगी।

उन्होंने बताया कि तमिलनाडु में 14 टर्मिनल हैं, जिनमें तीन चेन्नई में हैं, जहां से ईंधन खुदरा विक्रय केंद्रों को भेजा जाता है। इस बीच, तमिलनाडु वनइगर संगाकालिन पेरामइपु के अध्यक्ष ए एम विक्रम राजा ने 12 मार्च को तेनकासी में व्यापारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सिलेंडर की कमी से होटल उद्योग प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सिलेंडरों की जमाखोरी कर उन्हें 4,000 रुपये तक में बेच रहे हैं और अधिकारियों को ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। राजा ने यह भी चेतावनी दी कि यदि कमी का हवाला देकर ईंधन की कीमतें बढ़ाई गईं तो राज्य-भर में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने पांच मई को तिरुवरूर में छोटे व्यापारियों के लिए विशेष सुरक्षा कानून की मांग को लेकर एक बड़े व्यापारी सम्मेलन की भी घोषणा की।

कांग्रेस ने ओडिशा के पार्टी विधायकों को राज्यसभा चुनाव से पहले बेंगलूरु भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस ने 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव से पहले ओडिशा के अपने कुछ विधायकों को 'क्रॉस-वोटिंग' की आशंका के मद्देनजर बेंगलूरु भेज दिया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, पार्टी की ओडिशा इकाई के लगभग आठ विधायकों को बृहस्पतिवार देर रात भुवनेश्वर से विमान से बेंगलूरु ले जाया गया और उन्हें शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक रिजॉर्ट में ठहराया गया है। सूत्रों ने बताया कि ओडिशा से छह और पार्टी विधायक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ आज रात बेंगलूरु पहुचेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि यह कदम चुनाव से पहले विधायकों को एकजुट रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि कि भाजपा द्वारा राज्यसभा सीट के लिए दूसरा उम्मीदवार उतारे जाने के बाद राज्य में राजनीतिक उठापटक तेज हो गई है जिसके बाद एहतियात के तौर पर यह फैसला किया गया। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा, विधायकों को प्रभावित करने की कोशिशों और क्रॉस-वोटिंग' की आशंका को लेकर चिंताएं थीं। पार्टी नेतृत्व ने मतदान तक उन्हें एहतियात के तौर पर राज्य से बाहर रखने का फैसला किया है।'' कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा, शुक्रवार रात तक छह और विधायकों एवं प्रदेश पार्टी अध्यक्ष के बेंगलूरु पहुंचने की संभावना है।'' ओडिशा विधानसभा में कांग्रेस के फिलहाल 14 विधायक हैं और उसे अपने राज्यसभा उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी नेतृत्व को चुनाव से पहले विभिन्न पार्टियों के विधायकों के साथ संभावित राजनीतिक सौदेबाजी और प्रलोभनों का डर है। ऐसा बताया जा रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने विधायकों के ठहरने की व्यवस्था की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार बेंगलूरु में उनके ठहरने की व्यवस्था देख रहे हैं। ओडिशा के कांग्रेस विधायक इस समय बेंगलूरु से 35 किलोमीटर दूर एक रिजॉर्ट में ठहरे हुए हैं।

चेन्नई पोर्ट ने फिर बनाया रिकार्ड

चेन्नई। यहां चेन्नई पोर्ट ने 11 मार्च को ही 1.83 मिलियन टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) का अब तक का सबसे ज़्यादा कंटेनर थ्रूपुट हासिल किया। इसने वित्त वर्ष 2024-25 में संभाले गए 1.82 मिलियन टीईयू के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और पिछले साल की समय-सीमा से 20 दिन पहले ही यह मील का पत्थर हासिल कर लिया।

यह पोर्ट दक्षिण भारत के मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाता रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष में अपने शानदार प्रदर्शन को और मज़बूत करते हुए, चेन्नई पोर्ट ने 12 फरवरी 2026 को वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 50 मिलियन टन (एमएमटी) कार्गो संभालने का अहम मील का पत्थर भी पार कर लिया। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 18 दिन पहले हासिल की गई; पिछले वित्त वर्ष में 50 एमएमटी का मील का पत्थर 1 मार्च को हासिल हुआ था। तय समय से पहले यह मील का पत्थर हासिल करना-साथ ही मौजूदा वित्त वर्ष में सभी मौजूदा सेवाओं को बनाए रखना और छह नई सेवाएं जोड़ना-चेन्नई पोर्ट की बेहतर होती ऑपरेशनल क्षमता और कार्गो ग्रोथ पर व्यापार और उद्योग जगत के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के चेयरमैन ने इस मील के पत्थर को हासिल करने में लगातार सहयोग और तालमेल बनाए रखने के लिए व्यापार जगत, पोर्ट इस्तेमाल करने वालों, टर्मिनल ऑपरेटरों, शिपिंग लाइनों, लॉजिस्टिक्स से जुड़े लोगों और पोर्ट कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

शबरिमला सोना चोरी मामला

एसआईटी ने तंत्री की जमानत के खिलाफ केरल उच्च न्यायालय में याचिका दायर की

कोचि/भाषा। शबरिमला मंदिर की कलाकृतियों से सोने की कथित चोरी के मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने केरल उच्च न्यायालय में शुक्रवार को याचिका दायर कर तंत्री (मुख्य पुजारी) कंदरारु राजीवरु की जमानत रद्द किए जाने का अनुरोध किया। एसआईटी ने दावा किया कि तंत्री को दी गई राहत के कारण न्याय का ''घोर उल्लंघन'' हुआ है।

कोल्लम स्थित जांच आयुक्त एवं विशेष न्यायाधीश (सतर्कता) की अदालत ने तंत्री को 18 फरवरी को जमानत दे दी थी। अदालत ने कहा था कि मंदिर की कलाकृतियों से सोने की कथित चोरी से संबंधित मामलों में तंत्री के खिलाफ लेशमात्र भी ''सबूत'' नहीं है। विशेष जांच दल मंदिर के द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों की चौखटों से सोने के कथित गबन की जांच कर रहा है।

राजीवरु मंदिर के द्वारपालक मामले में 16वें आरोपी हैं और श्रीकोविल मामले में 13वें आरोपी हैं। सतर्कता अदालत ने उन्हें दोनों मामलों में जमानत दे दी थी। एसआईटी ने अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) पी नारायणन के जरिये दायर अपनी याचिका में द्वारपालक मामले में तंत्री को दी गई जमानत को चुनौती दी है। नारायणन ने कहा कि श्रीकोविल मामले में राजीवरु को दी गई जमानत को भी आने वाले दिनों में चुनौती दी जाएगी। एसआईटी ने अपनी याचिका में तंत्री की जमानत रद्द करने के अलावा जांच के संबंध में सतर्कता अदालत द्वारा की गई प्रतिकूल टिप्पणियों को भी हटाए जाने का अनुरोध किया है। उसने दावा किया है कि सतर्कता अदालत ने तंत्री को राहत देते समय सभी तथ्यों, परिस्थितियों, प्रतिवादी (राजीवरु) द्वारा निभाई गई भूमिका और अन्य मुद्दों, रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों, आगे हिरासत की आवश्यकता तथा अभियोजन पक्ष द्वारा की गई कड़ी आपत्तियों की अनदेखी की। उसने यह भी दावा किया है कि विशेष अदालत की ''अनावश्यक एवं गैरजरूरी टिप्पणियां'' जारी जांच में भी दखल देंगी। एसआईटी ने याचिका में कहा, ''जमानत देने वाले आदेश में और उसमें की गई टिप्पणियों में गंभीर कानूनी खामियां हैं, ये जांच के दौरान जुटाए गए महत्वपूर्ण साक्ष्यों की अनदेखी करती हैं और इनके कारण न्याय का घोर उल्लंघन हुआ है तथा ऐसे में न्यायालय के हस्तक्षेप की आवश्यकता है।''

उसने कहा कि संबंधित समय में, तंत्री मंदिर के अनुष्ठानों और धार्मिक पवित्रता से जुड़े मामलों में अंतिम प्राधिकार रखते थे और जांच से यह सामने आया है कि उन्होंने 18 जून, 2019 की राय दी थी, जिसमें उन्होंने मामलों के मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी द्वारा दिए गए आवेदन के बाद, सोने की परत चढ़ी कलाकृतियों पर फिर से परत चढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर सहमति जताई गई थी। एसआईटी ने दावा किया कि तंत्री द्वारा दी गई राय ही त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के उस फैसले का आधार बनी जिसके तहत कलाकृतियां पोट्टी को सौंपी गईं। एसआईटी ने कहा, ''दरअसल, यदि प्रतिवादी (तंत्री) का सक्रिय समर्थन न होता तो प्रथम आरोपी (पोट्टी) और अन्य आरोपी गबन कर ही नहीं सकते थे। तंत्री होने के नाते उनके प्रभाव और दबदबे ने अन्य आरोपियों को अपराध करने में सक्षम बनाया।''

सुविचार

शब्दों का घाव तलवार के घाव से गहरा होता है। बोलने से पहले सोचें कि आपके शब्द किसी का दिल तोड़ेंगे या जोड़ेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भरोसा रखें, घबराएं नहीं

भारत महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान योद्धाओं का देश है, जिन्होंने मुश्किल समय में घास की रोटी और गुड़-चना खाया, लेकिन मातृभूमि का शीश नहीं झुकने दिया। आज वैसा समय बिल्कुल नहीं है। हर तरह की सुख-सुविधाएं हैं। फिर भी कई लोगों ने रसोई गैस को लेकर जबर्दस्त हाहाकार मचा रखा है। विपक्ष के कुछ राजनेता उन्हें उकसा रहे हैं। वे ऐसे बयान दे रहे हैं, जिन्हें सुनकर लोगों में घबराहट फैल रही है। यह स्थिति तब है, जब ईरान के साथ अमेरिका-इज़राइल के युद्ध में भारत किसी की हिमायत नहीं कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य अवरुद्ध होने के कारण जहाजों का आवागमन बाधित हुआ है। इस समय देशवासियों को कुछ संयम और अनुशासन का पालन करना चाहिए। हमें जापान के नागरिकों से कुछ सीखना चाहिए। वहां भूकंप, सुनामी, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा मंडराता रहता है। वहां भी कई इलाकों में चीजें पहुंचाने में समय लगता है। क्या जापान के लोग अफरा-तफरी मचाते हैं? वे शांतिपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करते हैं। उन लोगों को जितनी जरूरत होती है, उतनी ही चीजें लेते हैं। वहीं, भारत में क्या हो रहा है? यहां कोई आपदा नहीं आई है। फिर भी गैस एजेंसियों के द्वार पर लंबी-लंबी कतारें लग गई हैं! इनमें से कुछ लोग जरूर वास्तविक खरीदार होंगे, जिनके घरों में रसोई गैस नहीं है। क्या लाखों घरों में एकसाथ ही गैस सिलेंडर खाली हो गए? अगर पिछले आंकड़ों पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि हर गैस एजेंसी पर जरूरत के अनुसार सिलेंडर पहुंचाए जाते हैं, जहां से वे घरों में वितरित होते हैं। एक सिलेंडर का पूरा उपभोग होने पर लोग दूसरा सिलेंडर बुक करते हैं। इस तरह पूरी व्यवस्था सहज ढंग से हो जाती है।

अब अचानक बुकिंग बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। पहले, औसतन 55.7 लाख बुकिंग होती थीं, जो अब 75.7 लाख हो गई हैं। ये स्पष्ट रूप से घबराहट में की गई बुकिंग हैं। सामान्य दिनों की तुलना में जब औसतन 20 लाख बुकिंग ज्यादा होंगी तो वितरण तंत्र पर दबाव बढ़ेगा। इस दौरान कुछ लोगों ने जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में दो दिनों में ही अधिकारियों की छापेमारी में 38 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में एक शख्स के घर से एलपीजी के 55 सिलेंडर मिले हैं। अगर अधिकारी सूझबूझ से काम लें, खुफिया नेटवर्क को मजबूत बनाकर जानकारी जुटाएं तो उन्हें हर शहर में ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो इसी मौके की ताक में बैठे हैं कि कब ईंधन का संकट आए और वे देशवासियों को दोनों हाथों से लूटें। कोरोना काल में ऐसे लोगों ने ही पांच रुपए की चीज के बीस रुपए वसूले थे। सरकार को इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। सोचिए, जब हजारों किमी दूर विदेशों की लड़ाई, जिसमें भारत की कोई भूमिका नहीं है, होने पर जमाखोरी और कालाबाजारी की यह स्थिति है, अगर किसी दिन सच में भारत की (चीन, पाकिस्तान या अन्य देश से) लड़ाई हो गई, तो क्या होगा? इन लोगों की तो लॉटरी निकल पड़ेगी। ये जनता को लूट खाएंगे। सरकार को चाहिए कि इनकी पहचान करे और भविष्य में इनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखे। इनका कृत्य कोई सामान्य अपराध नहीं है। ये चीजों की कृत्रिम कमी पैदा कर जनता के हक पर डाका डाल रहे हैं। केंद्र सरकार ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। वह संबंधित देशों की सरकारों के संपर्क में है। कोई रास्ता जरूर निकलेगा। भरोसा रखें, घबराएं नहीं। भारत और मजबूत होकर उभरेगा।

ट्वीटर टॉक

आजविभिन्न संभागों से आए पत्रकार बंधुओं से संवाद करने का सुखद अवसर मिला। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में आपकी सजगता और जनहित के प्रति आपकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। इस अवसर पर पत्रकार साथियों ने प्रदेश के जनकल्याणकारी बजट के लिए आभार व्यक्त किया।

-भजनलाल शर्मा

विधानसभा में राजस्थान बजट 2026-27 प्रस्तुत होने के उपरांत आज वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनके समर्पित प्रयासों के लिए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बजट की तैयारी में अधिकारियों एवं पूरी टीम द्वारा किए गए अथक परिश्रम की सराहना की।

-दिया कुमारी

जैसलमेर से अहमदाबाद जा रही एक निजी एसी बस के बनासकांठा ज़िले के धानेरा क्षेत्र में आग लगने की घटना अत्यंत दुखद है। इस हादसे में एक यात्री की मृत्यु तथा कई लोगों के झुलसने की सूचना पीड़ादायक है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

प्रेरणा से सफलता

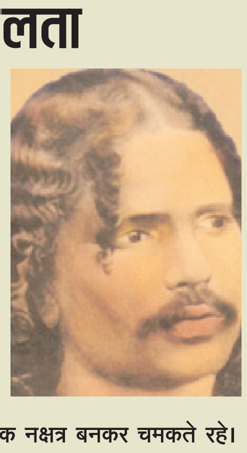

एक बार भारतेंदु हरिश्चंद्र कुछ किशोरवय नवोदित रचनाकारों से मिल रहे थे। इस दौरान एक किशोर ने उन्हें खासा प्रभावित किया। वह किशोर हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, फारसी, बंगाली, और उर्दू भाषाओं पर अच्छा अधिकार रखता था। इतना ही नहीं, उसने अपनी नवीनतम मौलिक कृति 'प्रेम पुष्पावली' भी भारतेंदु जी को दिखाई। किशोरवय में इतनी सुंदर भाषा और विद्वता देखकर भारतेंदु जी का मन गद्गद हो गया और उन्होंने उस किशोर का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद, उस किशोर ने तीन वर्ष के भीतर ललित निबंध लिखे और अखबार का प्रकाशन भी शुरू कर दिया। वह किशोर हिंदी साहित्य के आकाश में एक नक्षत्र बनकर चमकते रहे। उनका नाम था प्रताप नारायण मिश्र।

सामयिक

राष्ट्रपति के साथ ऐसा व्यवहार अनुचित

अवधेश कुमार
मोबाइल : 98110 27208

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रशासन का अपने राज्य में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ हुआ व्यवहार हर दृष्टि से अस्वीकार्य और डर पैदा करने वाला है। ममता बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति भाजपा के एजेंडा में फंस गईं हैं। भाजपा उनसे अपना एजेंडा पूरा करवा रही है। ममता बनर्जी इसके राज्यपाल से लेकर चुनाव आयोग केंद्रीय एजेंसियां और यहां तक की कई बार न्यायपालिका को भी इसी भाषा में आरोपित कर चुकी हैं। अभी तक राष्ट्रपति का पद उनके अपमान और दुर्व्यवहार से बचा हुआ था। राष्ट्रपति को आरोपित करना वास्तव में राजनीतिक पतन की पराकाष्ठा है। आखिर हमारी राजनीति कहां पहुंच गई है जहां नेता यह भी नहीं समझ रहे कि किसी प्रतिस्पर्धी पार्टी या चुनाव के लिए हम जो कुछ कर रहे हैं इसका कितना भयानक असर हो सकता है। राष्ट्रपति के पद को स्तरहीन दलीय राजनीति से बाहर रखा जाना चाहिए। ममता बनर्जी कह रहीं हैं कि आप 50 बार आयें तो सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होना संभव नहीं होगा। भाजपा की चिंता सत्ता होती है और मेरी चिंता मेरे राज्य की जनता होती है। यानी वह कह रहीं हैं कि आप भाजपा का एजेंडा पूरा करने के लिए बार-बार पश्चिम बंगाल आतीं हैं और उम्मीद करती हैं कि मैं आपके स्वागत के लिए रहूं तो ऐसा नहीं हो सकता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की बंगाल यात्रा के दौरान ममता बनर्जी एसआईआर को लेकर धरने में शामिल थीं। क्या ममता बनर्जी की इस तरह की भाषा और व्यवहार को सामान्य लोकतांत्रिक मर्यादा और संविधान की भावनाओं के अनुरूप भी माना जा सकता है?

राष्ट्रपति मुर्मू पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम को संबोधित करने गईं थीं। 9वां अंतरराष्ट्रीय संथाल फिल्म महोत्सव व कॉन्फ्रेंस बागडोगरा हवाई अड्डा के पास सिलीगुड़ी महकमा परिषद के गोंसाईपुर में आयोजित किया गया। दरअसल, कार्यक्रम विधाननगर में आयोजित होना था लेकिन पश्चिम बंगाल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य कारणों का हवाला देते हुए इसे स्थानांतरित कर दिया। कार्यक्रम के लिए प्राप्त स्थान तक पहुंचना कठिन था और इतना छोटा था कि ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकते थे। स्वाभाविक था कि राष्ट्रपति विधान नगर भी गईं, संथाल भाई-बहन वहां भी थे। वहां उन्हें अपना असंतोष प्रकट करने तथा सच्चाई अभिव्यक्त करने को बाध्य होना पड़ा। वस्तुत: बंगाल की धरती पर उतरने के समय से ही सरकार द्वारा राष्ट्रपति की अवहेलना और अपमान की शुरुआत हो गई। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति पद के प्रोटोकॉल के अनुसार कोई उपस्थित नहीं था। सामान्य प्रोटोकॉल और परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए राज्यपाल रहते हैं , सामान्य तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री या अगर किसी कारणवश वह नहीं आ सकीं तो उनकी जगह कोई मंत्री रहते हैं। इसके साथ प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव भी उपस्थित रहते हैं। वहां कोई नहीं था । सिलीगुड़ी के मेयर ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय जनजाति मामलों के राज्यमंत्री दुर्गादास उइके इसलिए थे क्योंकि कार्यक्रम जनजाति

ममता बनर्जी स्वयं को आदिवासी समाज के लिए संघर्ष करने वाली और उनका हितैषी घोषित करतीं हैं। इस घटना के बाद क्या यह बताने की आवश्यकता है कि जनजाति समुदाय के प्रति उनके अंदर वाकई संवेदनशीलता और सम्मान है? वास्तविकता का साक्षात प्रमाण सामने है। विडंबना देखिए, सभी् भाजपा विरोधी दल इस पर मौन हैं। इन दलों का व्यवहार हतप्रभ करने वाला है। राष्ट्रपति कह रही हैं कि ऐसी स्थिति पैदा की गई ताकि कार्यक्रम न हो और उन्हें वापस पड़े।

समुदाय का था। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह ऐसी पहली घटना है। ऐसा कभी नहीं हुआ जब कोई राज्य सरकार राष्ट्रपति के कार्यक्रम के लिए उपयुक्त जगह की अनुमति न दे , उनकी पूरी तरह अवहेलना करें और असंतोष व्यक्त करने पर प्रतिक्रिया ऐसी दे जैसे अपने किसी राजनीतिक प्रतिस्पर्धी से टकरा रही है । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शांत स्वभाव की मानी जाती है और कभी भी अशांत या गुस्सैल प्रतिक्रिया देते देखा नहीं गया। द्रौपदी मुर्मू ने यही कहा कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर कोई समस्या नहीं है कि कोई रिसीव करने आए या ना आए किंतु राष्ट्रपति पद के प्रोटोकॉल का पालन होना चाहिए। राष्ट्रपति देश के संवैधानिक अभिभावक होते हैं। सभी का उस पद की गरिमा और स्थापित परंपरा के अनुरूप सम्मान देना है। दूसरी और राष्ट्रपति का भी दायित्व है कि परंपरा गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आगाह करें। उन्हें सार्वजनिक रूप से ऐसा बोलने को विवश होना पड़ा तो निश्चित रूप से स्थिति अस्वीकार्य थी। क्या राष्ट्रपति मौन रहकर इस तरह के व्यवहार को प्रोत्साहित करने की भूमिका निभातीं? आज एक राज्य में ऐसा हुआ कल दूसरे में होगा और जो एक राष्ट्रपति के साथ हो रहा है वह दूसरे के साथ भी हो सकता है। इसलिए राष्ट्रपति के नाते इस विषय को पूरी गंभीरता से सामने रखना उनका दायित्व है।

अगर उन्हें इसकी जानकारी मिली कि यहां कार्यक्रम में संथाल जनजाति के लोग इसलिए नहीं नहीं आ पाए क्योंकि कार्यक्रम पहले दूसरी जगह निर्धारित था तो प्रशासन के सहयोग की पूरी जानकारी मिलने के बाद उनके वहां जाना भी स्वाभाविक था। क्या ममता मानती हैं कि उन्हें चुपचाप वापस आ जाना चाहिए था? उन्होंने यही कहा कि यह बड़ा मैदान था और मुझे जब मालूम हुआ कि आप लोग यहां हैं तो मैं सोची कि मुझे जाकर आपसे मिलनी चाहिए। मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों किया गया क्योंकि यह मैदान दिया जाता तो सब लोग आ जाते। राष्ट्रपति द्वारा इस तरह अपनी भावना व्यक्त करने को भी मुख्यमंत्री के नाते ममता बनर्जी को गंभीरता से लेना चाहिए था। उन्हें शांत और संतुलित प्रतिक्रिया व्यक्त कर अपने पद की भी गरिमा प्रदर्शित करनी थी। इसकी जगह वह राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा कर रहीं हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि सम्मेलन के बारे में उनके पास कोई जानकारी नहीं थी, उसकी फंडिंग के बारे में , आयोजकों के बारे में उन्हें कुछ भी पता नहीं था। राष्ट्रपति के किसी प्रदेश में दौरा की सूचना राज्य सरकार के पास पहले जाती है। उसमें उनके सारे कार्यक्रम वर्णित होते हैं। राष्ट्रपति भवन के अधिकारी प्रदेश सरकार के साथ संपर्क में रहते हैं और लगातार बातचीत होती रहती है। उसके अनुसार उनका प्रोटोकॉल , कार्यक्रम में सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं होती हैं? क्या ममता बनर्जी के प्रशासन ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बारे में उनको जानकारी ही नहीं दी? अगर ऐसा है तो इसकी जांच होनी चाहिए । किंतु ममता बनर्जी के व्यवहार से ऐसा लगता नहीं कि उन्हें कुछ पता नहीं था। पश्चिम बंगाल की मीडिया ने राष्ट्रपति की यात्रा और कार्यक्रम के बारे में पूर्व समाचार दिया था। सब कुछ सामने होते हुए इस तरह का व्यवहार और वक्तव्य साबित करता है कि ममता बनर्जी की हनक के समक्ष भारत देश के शीर्ष पद का भी कोई सम्मान नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसे शर्मनाक और ममता सरकार द्वारा सारी हदें पार करने घटना बताना बिल्कुल सही है। प्रधानमंत्री या ऐसे शीर्ष पदों पर बैठे व्यक्तियों के सामने प्रतिक्रिया व्यक्त करने में भी मर्यादाएं सामने रहती हैं अन्यथा इसकी निंदा और विरोध के लिए कोई भी शब्द छोटे हैं। जनजाति समाज का कार्यक्रम और राष्ट्रपति की उपस्थिति के साथ जब ऐसा दर्दनाक व्यवहार है तो फिर सामान्य संगठन और राजनीतिक दलों के कार्यक्रम के साथ प्रशासन का कैसा व्यवहार होता होगा इसकी कल्पना करिए। पश्चिम बंगाल में जनजाति समुदाय की बड़ी संख्या है और उनकी परंपराओं ने केवल राज्य नहीं , भारत की संस्कृति को समृद्ध किया है स्वतंत्रता के संघर्ष में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वयं राष्ट्रपति जनजाति समुदाय से आती हैं।

ममता बनर्जी स्वयं को आदिवासी समाज के लिए संघर्ष करने वाली और उनका हितैषी घोषित करतीं हैं। इस घटना के बाद क्या यह बताने की आवश्यकता है कि जनजाति समुदाय के प्रति उनके अंदर वाकई संवेदनशीलता और सम्मान है? वास्तविकता का साक्षात प्रमाण सामने है। विडंबना देखिए, सभी भाजपा विरोधी दल इस पर मौन हैं। इन दलों का व्यवहार हतप्रभ करने वाला है। राष्ट्रपति कह रही हैं कि ऐसी स्थिति पैदा की गई ताकि कार्यक्रम न हो और उन्हें वापस पड़े। देश के सभी विवेकशील लोगों को विचार करना पड़ेगा कि क्या सत्ता की राजनीति इस सीमा तक चली जाएगी जहां प्रशासन द्वारा राष्ट्रपति के कार्यक्रम की व्यवस्था करने की जगह उसे हर स्तर पर विफल कर देने का व्यवहार हो? अगर आपका उत्तर नहीं है तो यह विचार करिए ऐसे व्यवहार का प्रतिकार कैसे हो ताकि आगे कभी इसकी पुनरावृत्ति न हो सके। ऐसा नहीं हुआ तो देश इस तरह की भयानक अराजकता में फंसेगा जहां किसी पद या विधान की मर्यादा नहीं बचेगी। ममता बनर्जी के कार्यकाल में तृणमूल सरकार ने बंगाल को ऐसे राज्य में बदल दिया है जहां कानून, संविधान, चुनाव, संवैधानिक संस्थायें सब कुछ दांव पर लग चुका है।

नजरिया

भारतीय नव संवत्सर एक सांस्कृतिक उत्सव का प्रतीक

देवेंद्र सिंह
मोबाइल : 80946 61100

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव और उल्लास का अवसर नहीं होते, बल्कि वे जीवन के गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश भी अपने भीतर समेटे रहते हैं। प्रत्येक त्योहार हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य, परंपराओं के सम्मान और आत्मिक उन्नति की प्रेरणा देता है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व है चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा, जिसे वर्ष प्रतिपदा या भारतीय नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन से नवसंवत्सर का शुभारंभ होता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में इसे उगादि या युगादि, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, कश्मीर में नवरेह, सिंधी समाज में चेटीचंड, और मणिपुर में साजिबू चेइराओबा के रूप में मनाने की परंपरा है।

'युग' और 'आदि' शब्दों के मेल से बना 'युगादि' शब्द अपने आप में एक नए युग के आरंभ का प्रतीक है। यह केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन में नवचेतना, नई आशा और नए संकल्पों का प्रारंभ भी है। भारतीय संस्कृति में समय को केवल दिनों और महीनों की गणना तक सीमित नहीं माना गया, बल्कि उसे सृष्टि और प्रकृति के अनंत चक्र से जोड़ा गया है। यही कारण है कि नवसंवत्सर का प्रारंभ भी उस समय होता है जब प्रकृति स्वयं नवजीवन से भर उठती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने इस जगत की रचना का प्रारंभ किया था। इसलिए यह तिथि केवल नए वर्ष का आरंभ ही नहीं, बल्कि सृष्टि के उद्भव का भी प्रतीक मानी जाती है। इस दिन ब्रह्मा जी के साथ-साथ उनके द्वारा रचित समस्त सृष्टि-देवी-देवताओं, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और वनस्पतियों-का स्मरण और पूजन किया जाता है। भारतीय दर्शन की विशेषता यह है कि इसमें प्रकृति के प्रत्येक तत्व को दिव्यता का स्वरूप माना गया है। यहां तक कि रोग और उनके उपचारों का भी स्मरण किया जाता है, जो इस बात का संकेत है कि भारतीय संस्कृति जीवन को समग्र दृष्टि से देखने की शिक्षा देती है।

ज्योतिषीय दृष्टि से भी वर्ष प्रतिपदा का अत्यंत विशेष महत्व है। पंचांगकर्ता ज्योतिषाचार्य पंडित अक्षय शास्त्री के अनुसार भारतीय पंचांग सूर्य और चंद्रमा दोनों की गति के आधार पर निर्मित होता है, इसलिए इसे चंद्र-सौर पंचांग कहा जाता है। अमावस्या के बाद जब चंद्रमा की पहली कला प्रकट होती है, तब शुक्ल पक्ष की शुरुआत होती है और उसी का पहला दिन प्रतिपदा कहलाता है। चैत्र मास की यह प्रतिपदा ही नवसंवत्सर का प्रथम दिन मानी जाती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार महान गणितज्ञ और ज्योतिषाचार्य भास्कराचार्य ने भी इसी दिन से दिन, महीना और वर्ष की गणना करते हुए पंचांग की रचना की थी। ज्योतिष परंपरा में इस दिन से नए वर्ष के ग्रहाधिपत्य का विचार किया जाता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के आधार पर वर्ष के सामान्य फल, वर्षा की संभावना, कृषि की स्थिति तथा सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का अनुमान लगाया जाता है। इस दिन पंचांग सुनने की परंपरा भी प्रचलित है, जिसमें विद्वान ज्योतिषाचार्य आगामी वर्ष की संभावनाओं का वर्णन करते हैं। इस प्रकार नवसंवत्सर केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय खगोल विज्ञान और ज्योतिष परंपरा का भी एक महत्वपूर्ण आधार है।

चैत्र मास का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक दृष्टि से भी अत्यंत विशेष है। यह वह समय होता है जब शीत ऋतु के बाद वसंत अपनी पूर्णता पर होता है और प्रकृति नए जीवन से भर उठती है। वृक्षों और लताओं में नई कोपलें फूटती हैं, फूल खिलते हैं और वातावरण में ताजगी का संचार होता है। चंद्रमा को वनस्पतियों और औषधियों का राजा कहा गया है, क्योंकि उसकी शीतल किरणें प्रकृति को जीवनदायी ऊर्जा प्रदान करती हैं। यही कारण है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को वर्षारंभ के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। इस दिन घरों को सजाने-संवारने की भी विशेष परंपरा है। दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में लोग अपने घरों के द्वार पर आम के पत्तों का तोरण लगाते हैं। आम के पत्ते समृद्धि, स्वास्थ्य और शुभता के प्रतीक माने जाते हैं। माना जाता है कि यह तोरण घर में सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत करता है और वातावरण को पवित्र बनाता है।

महाराष्ट्र में यह पर्व गुड़ी पड़वा के रूप में अत्यंत उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसे वर्ष के साढ़े तीन शुभ मुहूर्तों में गिना जाता है। इसी दिन से शालिवाहन शक संवत की भी शुरुआत मानी जाती है। लोककथाओं के अनुसार शालिवाहन नामक एक वीर युवक ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाकर उनमें प्राण फूंक दिए और शत्रुओं को पराजित किया। उसकी इस विजय की स्मृति में विजय ध्वज के रूप में 'गुड़ी' स्थापित करने की परंपरा शुरू हुई। एक अन्य मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान राम ने दक्षिण भारत की प्रजा को अत्याचारी शासन से मुक्ति दिलाई थी। इस विजय की खुशी में लोगों ने अपने घरों में ध्वज फहराए, जो आगे चलकर गुड़ी पड़वा की परंपरा बन गई।

भारत की विविधता इस पर्व के उत्सव में भी दिखाई देती है। अलग-अलग क्षेत्रों में इसे अलग नामों से मनाने के साथ-साथ विशेष व्यंजन भी बनाए जाते हैं। आंध्र प्रदेश में उगादि 'पच्चड़ी' नामक प्रसाद तैयार किया जाता है, जिसमें गुड़, नीम के फूल, इमली, नमक और कच्चा आम मिलाया जाता है। इन छह स्वादों का मिश्रण जीवन के विभिन्न अनुभवों-मिठास, कड़वाहट, खट्टापन और संतुलन-का प्रतीक है। कर्नाटक में युगादि पर घरों में नीम की कोपल और गुड़ का प्रसाद खाया जाता है, जिसे बेवू-बेला' कहा जाता है। यह प्रसाद जीवन के कड़वे और मीठे अनुभवों का प्रतीक है और हमें यह संदेश देता है कि जीवन में आने वाले सुख-दु:ख को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। वहीं महाराष्ट्र में पूरन पोली नामक पारंपरिक मीठा व्यंजन बनाकर पर्व की खुशियां साझा की जाती हैं। कश्मीर में कश्मीरी पंडित समुदाय इस दिन नवरेह के रूप में विशेष पूजा-अर्चना करता है, जबकि सिंधी समाज में यही पर्व चेटीचंड के रूप में मनाया जाता है। वर्ष प्रतिपदा से आरंभ होने वाला यह उत्सव आगे चलकर चैत्र नवरात्र और रामनवमी के साथ अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचता है। इन नौ दिनों में देवी शक्ति की आराधना और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मोत्सव का उत्सव मनाया जाता है। इस प्रकार यह पर्व केवल नए वर्ष का स्वागत नहीं, बल्कि भक्ति, साधना और आत्मशुद्धि का भी अवसर बन जाता है। वास्तव में नवसंवत्सर हमें यह सिखाता है कि जीवन में परिवर्तन और नवता को स्वीकार करना ही विकास का मार्ग है। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं और आने वाले वर्ष के लिए शुभ संकल्प लेते हैं। यह परंपरा हमें यह भी याद दिलाती है कि हर नया वर्ष आत्मचिंतन और आत्मविकास का एक अवसर लेकर आता है।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय संस्कृति की उस गहन जीवनदृष्टि का प्रतीक है जिसमें प्रकृति, आध्यात्म और मानवीय जीवन एक दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। यह तिथि हमें याद दिलाती है कि जैसे प्रकृति हर वर्ष नए रूप में खिल उठती है, वैसे ही हमें भी अपने जीवन को नई ऊर्जा, नई आशा और नए उत्साह के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। नवसंवत्सर हमें नवआरंभ, सकारात्मकता और समरसता का संदेश देता है। यह पर्व हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में नए संकल्प लें, प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखें और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा सहयोग की भावना को मजबूत करें। यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही नववर्ष का वास्तविक संदेश भी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम हिस्से में आईईडी बम धमाके में सात पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शुक्रवार को एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए एक आईईडी बम धमाके में कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी।उसने बताया कि लक्की मारवत जिले के शादी खेल बेट्टानी इलाके में रसूल खेल चेक पोस्ट के पास नियमित गश्त के दौरान एक पुलिस वाहन आईईडी बम विस्फोट की चपेट में आ गया।उसने बताया कि बम धमाके के चलते थाना प्रभारी आजम, पुलिस वाहन चालक शाह बहराम एवं चार अन्य पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस के अनुसार विस्फोट में इंसाफुद्दीन नामक एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया तथा तलाशी अभियान शुरू किया।

ईरान फुटबॉल टीम ने ट्रंप पर पलटवार करते हुए कहा, विश्व कप में भाग लेने से 'कोई नहीं रोक सकता'

जेनेवा/एपी

ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा है कि उसे पुरुषों के फीफा विश्व कप से ''कोई भी बाहर नहीं कर सकता।' टीम ने बृहस्पतिवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट में तंज करते हुए यह भी कहा कि अगर सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती, तो शायद अमेरिका की टीम को ही टूर्नामेंट से बाहर कर देना चाहिए। यह प्रतिक्रिया ट्रंप की उस टिप्पणी के बाद आई, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि सह-मेजबान अमेरिका ईरान के खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मौजूदा युद्ध के बावजूद ईरान की टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन 'मुझे सच में नहीं लगता कि उनकी जान और सुरक्षा के लिहाज से उनका वहां होना उचित है।'

ईरान को ग्रुप चरण के अपने तीनों मुकाबले अमेरिका में खेलने हैं। फीफा विश्व कप की मेजबानी अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

इस युद्ध के कारण ईरान की विश्व कप में भागीदारी पर सवाल उठने लगे हैं। देश के खेल मंत्री अहमद दोन्यामाली ने इस सप्ताह सरकारी टीवी से कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खेलना संभव नहीं लग रहा।

इंस्टाग्राम पर ईरान की टीम की प्रतिक्रिया से स्पष्ट हुआ कि वे टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के इच्छुक है। पोस्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया कि टूर्नामेंट का संचालन फीफा करता है, न कि ट्रंप या अमेरिका।पोस्ट में कहा गया, ''विश्व कप एक ऐतिहासिक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और इसका संचालन किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं, बल्कि फीफा के द्वारा होता है। निश्चित रूप से कोई भी ईरान की राष्ट्रीय टीम को विश्व कप से बाहर नहीं कर सकता। बाहर वही देश हो सकता है जो केवल मेजबान का दर्जा रखता हो लेकिन इस वैश्विक आयोजन में भाग लेने वाली टीमों को सुरक्षा देने की क्षमता नहीं रखता हो।''टूर्नामेंट कार्यक्रम के अनुसार ईरान को 15 जून को कैलिफोर्निया में न्यूजीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ खेलना है। इसके बाद 26 जून को सिएटल में ग्रुप चरण का अंतिम मैच मिस्र से होगा।इस मुद्दे पर ट्रंप के बयान भी अलग-अलग रहे हैं। पिछले सप्ताह उन्होंने कहा था, मुझे सच में फर्क नहीं पड़ता कि ईरान खेले या नहीं। लेकिन मंगलवार को व्हाइट हाउस में जियानी इंफैनटिनो से मुलाकात के दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि ईरान की टीम का स्वागत है।

सूरज बड़जात्या की बेटी के रिसेप्शन में शामिल हुए अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय हिंदी सिनेमा के एक प्रमुख निर्देशक और निर्माता सूरज बड़जात्या की बेटी ईशा बड़जात्या की शादी अभिषेक के साथ हुई। शादी के बाद बीते दिन मुंबई में एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया गया, जिसमें सलमान खान, अनिल कपूर, अनुपम खेर, विक्की कौशल, तब्बू और रेखा से लेकर इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारों ने शिरकत की। अभिनेता अनुपम खेर ने बीते दिन की एक खास तस्वीर को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। एक्टर ने शुक्रवार को फैंस के साथ पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में कुल भावुक बातें लिखीं।

उन्होंने लिखा, ईशा और अभिषेक की शादी! कुछ शादियां महज उत्सव नहीं होतीं, बल्कि ये इस बात का स्मरण दिलाती हैं कि जीवन कितनी खूबसूरती से आगे बढ़ता है। अनुपम खेर ने आगे लिखा, कल शाम मुझे अपने प्रिय मित्र सूरज बरजात्या की प्यारी बेटी ईशा और अभिषेक की शादी में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उसे जीवन के इस नए अध्याय की शुरुआत करते देखना अत्यंत भावुक कर देने वाला था। मैं सूरज को लगभग 41-42 वर्षों से जानता हूं। फिल्म उद्योग में हमारे शुरुआती दिनों से लेकर एक फिल्म निर्माता और एक इंसान के रूप में उनकी शानदार यात्रा तक, उनके जीवन को साकार होते देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है और हां, प्रिय विनीता, अपनी गर्मजोशी और शालीनता के साथ हमेशा से उनके खूबसूरत परिवार का दिल रही हैं।

उन्होंने लिखा, ईशा को प्यार और उम्मीद से भरे एक नए जीवन में कदम रखते देखना ऐसा लगा मानो समय का चक्र पूरा हो गया हो। ईशा और अभिषेक को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं और प्यार। आपका जीवन सहभागिता, हंसी, समझ और अनंत खुशियों से भरा रहे। सूरज और विनीता को उनके परिवार की इस खूबसूरत नई शुरुआत के लिए बधाई। प्यार और शुभकामनाएं। सूरज बड़जात्या हिंदी सिनेमा के एक जाने-माने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर हैं, जो मुख्य रूप से पारिवारिक, पारंपरिक और प्रेम कहानियों पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'विवाह', 'प्रेम रतन धन पायो', 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'हम साथ-साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन', 'मैंने प्यार किया' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उन्हें 2022 की एडवेंचर ड्रामा फिल्म 'ऊंचाई' के लिए 'सर्वश्रेष्ठ निर्देशक' का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। भारतीय सिनेमा के एक दिग्गज अभिनेता, निर्देशक और निर्माता हैं, जो हिंदी फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जाने जाते हैं। 40 से अधिक वर्षों के करियर में उन्होंने 500 से अधिक फिल्मों में काम किया है। 1984 में 'सारांश' से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाले खेर को भारत सरकार द्वारा 2004 में पद्मश्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है।

रिक्शा मार्च

झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और शिल्पी नेहा तिर्की शुक्रवार को देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए रिक्शा चलाकर विधानसभा पहुँचे।

समागम

जम्मू में शुक्रवार को 'जम्मू विश्वविद्यालय साहित्य संस्कृति समागम' के उद्घाटन समारोह के दौरान कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में रंगारंग प्रदर्शन किया।

दुख में डूबी महिला को ढांढस बंधाती दिखीं मैथिली ठाकुर, बोलीं- नारी ही नारी की सबसे बड़ी ताकत

अलीनगर/एजेन्सी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम आज के समय में सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं है, बल्कि यह भावनाओं को साझा करने का एक बड़ा प्लेटफॉर्म भी है। इसी कड़ी में बिहार की चर्चित लोक गायिका और अलीनगर विधानसभा सीट से विधायक मैथिली ठाकुर ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा वीडियो साझा किया, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। इस वीडियो में वह अपने क्षेत्र की कुछ महिलाओं से मिलती नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में मैथिली ठाकुर अपने क्षेत्र की कुछ महिलाओं से मिलती हुई नजर आ रही हैं और उनसे बातचीत कर रही हैं। इसी दौरान एक महिला उनसे मिलते ही भावुक हो जाती है। बताया जा रहा है कि उस महिला ने हाल ही में अपने पति को खोया है, जिसके कारण वह गहरे दुख में है। महिला की आंखों में आंसू देखकर मैथिली ठाकुर भी भावुक हो जाती हैं और उसे गले लगाकर चुप कराने की कोशिश करती हैं। इस वीडियो के साथ मैथिली ठाकुर ने महिला के दर्द का जिक्र करते हुए एक लंबा कैप्शन भी लिखा, ''मेरे क्षेत्र की एक महिला जिन्होंने हाल ही में अपने पति को खोया है। जिस दर्द और तकलीफ से वह गुजर रही हैं, उसे शब्दों में समझाना आसान नहीं है। एक महिला के मन की संवेदनशीलता और पीड़ा को सबसे गहराई से अगर कोई समझ सकता है, तो वह दूसरी महिला ही होती है।''

उन्होंने आगे लिखा, ''ऐसे समय में जब एक महिला टूटती है तो उसके आसपास की महिलाओं को ही उसका सहारा बनना चाहिए। नारी ही नारी की सबसे बड़ी ताकत है। जब महिलाएं एक-दूसरे का हाथ थाम लेती हैं तो उससे बड़ी शक्ति कोई नहीं होती।'

अल्लू अर्जुन ने हैदराबाद में लॉन्च किया 'अल्लू सिनेमाज', मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का जताया आभार

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने हैदराबाद में भारत का सबसे बड़ा डॉल्बी सिनेमा लॉन्च किया। इस लॉन्च इवेंट की कुछ तस्वीरें अभिनेता ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। पोस्ट की गई तस्वीरों में अल्लू परिवार समेत गेस्ट के साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए सभी का आभार जताया। उन्होंने लिखा, 'अल्लू सिनेमाज' की शुरुआत हो गई है। मैं इस लॉन्च के लिए माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। साथ ही, भाटी विक्रमारका, कोमाटी रेड्डी व वेंकट रेड्डी का भी सहयोग और मौजूदगी के लिए धन्यवाद। उन्होंने लिखा, इस सपने को सच करने के लिए पीछे से कड़ी मेहनत करने वाले सभी स्टाफ और टीम के सदस्यों का दिल से धन्यवाद। गीता आर्ट्स का भी खास शुक्रिया। मैं हैदराबाद में बने भारत के सबसे बड़े डॉल्बी सिनेमा का जादू अनुभव करने के लिए सभी को आमंत्रित करता हूं। अल्लू सिनेमाज' नामक डॉल्बी सिनेमा लॉन्च कर अभिनेता अल्लू अर्जुन ने एक और प्रसिद्धि अपने नाम कर ली है। हालांकि, इसके बारे में अधिक जानकारी अभी निकलकर सामने नहीं आई है, लेकिन अल्लू ने पोस्ट के जरिए इसका अनुभव लेने के लिए सभी से कहा है। फिल्मों में अभिनय के अलावा उनका 'गीता आर्ट्स' नामक प्रोडक्शन हाउस है, जो उनके परिवार का है। इसके अलावा, उन्होंने 2022 में अपना खुद का 'अल्लू स्टूडियो' खोला है। इसके अलावा, जून 2023 में, उन्होंने हैदराबाद में 'एएए सिनेमाज' नामक एक मल्टीप्लेक्स लॉन्च किया था। अल्लू ओटीटी प्लेटफॉर्म से भी जुड़े हैं और उनका खुद का 'आहा' नामक ओटीटी प्लेटफॉर्म है। अल्लू एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जो लंबे समय से मनोरंजन जगत में योगदान दे रहा है। उनके पिता अल्लू अरविंद एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता हैं और दादा अल्लू रामलिंगैया टॉलीवुड के दिग्गज हास्य अभिनेता थे। वे मेगास्टार चिरंजीवी के भांजे और रामचरण के चचेरे भाई हैं।

'मेरी बेटी नाना-नानी की तरह स्टाइलिश होगी': मसाबा गुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

इंडस्ट्री में जब बात किसी ऐसे परिवार की होती है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुका हो, तो लोगों की दिलचस्पी और भी बढ़ जाती है। फिल्म इंडस्ट्री और क्रिकेट की दुनिया से जुड़ा ऐसा ही एक परिवार है, जिसमें एक तरफ दमदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली नीना गुप्ता हैं, तो दूसरी ओर क्रिकेट इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में गिने जाने वाले विव रिचर्ड्स हैं। इन दोनों की बेटी मसाबा गुप्ता भी फैशन की दुनिया में अपना खास नाम बना चुकी हैं। हाल ही में मसाबा ने सोशल मीडिया पर अपने पिता का एक पुराना वीडियो साझा किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। मसाबा गुप्ता ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें विव रिचर्ड्स पुराने दिनों की यादों को ताजा करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह एक महिला से बातचीत करते हुए अपने क्रिकेट करियर के कुछ खास पलों के बारे में बताते दिखाई देते हैं। मसाबा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा, ''मेरे माता-पिता बहुत ही ज्यादा कूल हैं और मैं खुद उनके साथ कदम नहीं मिला पातीं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मेरी बेटी जरूर अपने नाना-नानी की तरह बेहद स्टाइलिश और शानदार होगी।'' अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने कमेंट्स बॉक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट में हार्ट और राइजिंग हैंड वाले इमोजी का इस्तेमाल किया।

वीडियो में विव रिचर्ड्स अपने करियर की एक यादगार पारी को याद करते नजर आते हैं। वे बताते हैं कि 1976 में लंदन में खेले गए एक मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 291 रन बनाए थे। ये पुराने दिन याद करते हुए उन्हें अच्छा लगता है। बातचीत के दौरान उनसे क्रिकेट की लोकप्रियता के बारे में भी सवाल किया गया। इस पर विव रिचर्ड्स ने कहा, ''क्रिकेट दुनिया के सबसे शानदार खेलों में से एक है। यह करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ एक बड़ा मंच है। खासतौर पर कॉमनवेल्थ देशों में इसकी लोकप्रियता बहुत ज्यादा है। मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर हमेशा गर्व महसूस होता है।'

'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की एक अलग ही पहचान रही है। समय-समय पर ऐसी कई प्रेम कहानियां आई हैं, जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। इस कड़ी में जुनैद खान और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म 'एक दिन' की चर्चा जोरों पर है। बुधवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत में एक 'फॉर्च्यून बेल,' यानी किस्मत की घंटी, दिखाई जाती है। इस घंटी के बारे में जुनैद खान का किरदार बताता है कि दुनिया भर के हारे हुए आशिक इस घंटी को बजाकर अपनी किस्मत आजमाते हैं। इसी दौरान उनकी नजर मीरा पर पड़ती है, जिसका किरदार साई पल्लवी निभा रही हैं। मीरा को देखते ही जुनैद का किरदार उस फॉर्च्यून बेल से एक विश मांगता है कि काश मीरा मेरी हो जाए, चाहे सिर्फ एक दिन के लिए ही सही। इसके बाद ट्रेलर में कहानी आगे बढ़ती है। जुनैद की मांगी हुई यह विश सच हो जाती है। अगले ही सीन में मीरा यानी साई पल्लवी जुनैद के साथ दिखाई देती हैं। दोनों के बीच कई रोमांटिक पल दिखाए जाते हैं। एक सीन में साई पल्लवी जुनैद का जन्मदिन सेलिब्रेट करती नजर आती हैं। वह उन्हें केक पर लगी कैंडल बुझाने से पहले एक विश मांगने के लिए कहती हैं। इस पर जुनैद मुस्कुराते हुए कहते हैं कि उनकी तो विश पहले ही पूरी हो चुकी है।

इस तरह ट्रेलर के बीच में दोनों के बीच पनपते प्यार और उनकी केमिस्ट्री को खूबसूरती से दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाए गए लोकेशन्स फिल्म के रोमांटिक माहौल को और मजबूत बनाते हैं। कभी दोनों साथ घूमते नजर आते हैं, तो कभी खुशियों के छोटे-छोटे पल साझा करते हुए दिखाई देते हैं।

ट्रेलर में यह दिखाने की कोशिश की गई है कि कैसे एक दिन का साथ भी किसी की जिंदगी में बड़ी याद बन सकता है। हालांकि कहानी में सब कुछ इतना आसान नहीं रहता और यहीं से ट्रेलर एक दर्दनाक मोड़ लेता है।

ट्रेलर के आखिरी हिस्से में कहानी अचानक गंभीर मोड़ ले लेती है। एक सीन में साई पल्लवी गुस्से में जुनैद को थप्पड़ मारती हैं और कहती हैं कि मैंने तुम पर भरोसा किया था, लेकिन तुमने... इसके बाद दोनों के बीच की दर्दनाक दूरी को दिखाया जाता है। आखिर दोनों के बीच क्या हुआ, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। इस सीन को देखने के बाद दर्शकों के मन में सवाल उठता है कि आखिर उस एक दिन में ऐसा क्या हुआ, जिसने दोनों की जिंदगी बदल दी।ट्रेलर के आखिर में साई पल्लवी का किरदार कहता है कि यह एक दिन उनकी जिंदगी के लिए हमेशा यादगार रहेगा।अगर फिल्म के बारे में बात करें तो 'एक दिन' एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। इस फिल्म के जरिए साई पल्लवी पहली बार हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू कर रही हैं। 'एक दिन' 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रश्मिका मंदाना ने निजी ऑडियो लीक होने के बाद कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी जो उनकी ''पुरानी निजी बातचीत'' को अब फैलाकर उनके विवाह के तुरंत बाद विवाद पैदा कर रहे हैं।मंदाना की पहले कन्नड़ अभिनेता रक्षित शेट्टी से सगाई हुई थी, लेकिन उन्होंने एक साल बाद, 2018 में यह सगाई तोड़ दी थी।अभिनेत्री ने हाल ही में जोधपुर में एक भव्य समारोह में अपने साथी कलाकार विजय देवरकोंडा से शादी की।

मंदाना ने 'एक्स' पर लिखा, मेरे प्यारे लोगों के लिए, जो इस अद्भुत यात्रा में मेरे साथ रहे हैं, और उन सभी के लिए जो इस मामले से जुड़े हैं। आठ साल हो गए हैं जब मीडिया के कुछ वर्गों और डिजिटल तौर पर सक्रिय व्यक्तियों द्वारा मेरे खिलाफ गलत जानकारी फैलाने, उत्पीड़न करने और लक्षित हमलों का अभियान शुरू किया गया था।अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अनुचित आलोचना का सामना करते हुए धैर्य और मौन बनाए रखा, लेकिन अब और नहीं। उन्होंने कहा, ...पिछले 24 घंटों में जो कुछ हुआ है, उसने एक ऐसी सीमा रेखा पार की जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्नतीस वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, 29 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, लगभग आठ साल पुरानी मानी जाने वाली एक निजी बातचीत को, इसमें शामिल लोगों की जानकारी या अनुमति के बिना रिकॉर्ड और प्रसारित किया गया प्रतीत होता है। उस बातचीत का एक छोटा हिस्सा अब जानबूझकर संदर्भ से काटकर प्रसारित किया गया है, ताकि मेरे व्यक्तिगत जीवन में हाल ही में हुई घटनाओं के साथ रणनीतिक रूप से मेल खाने वाले एक और असुविधाजनक विवाद को उत्पन्न किया जा सके।

मंदाना ने कहा कि उनके परिवार और जिन लोगों के साथ उनके सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, उन्हें भी इस विवाद में घसीटा गया है। उन्होंने कहा, यह निजता का गंभीर उल्लंघन और भ्रामक एवं मानहानिकारक सामग्री का प्रसार है। हम जीवन में आगे बढ़ते हैं, विकास करते हैं, सार्थक कार्य करते हैं और सकारात्मकता फैलाते हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग दूसरों की गरिमा और शांति की कीमत पर नफरत और विवाद पैदा करना जारी रखते हैं।अभिनेत्री ने कहा, आठ साल तक, जब हमले केवल मुझ तक ही सीमित थे, मैंने मौन बनाए रखा। आज, जबकि अन्य लोगों को भी इसमें घसीटा जा रहा है, मैं अब और चुप नहीं रह सकती। मैंने एक सीमा तय करने का फैसला किया है।अभिनेत्री ने 'मीडिया प्लेटफ़ॉर्म', 'इन्फ्लुएंसर्स' और अन्य लोगों से जो इस ऑडियो और उससे जुड़ी खबरें फैला रहे हैं से आग्रह किया कि वे इन्हें ''तुरंत हटा दें''।मंदाना ने 24 घंटे के भीतर सामग्री नहीं हटाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016 posted at Patrika Channel, Egmore RMS, Chennai-8

सत्यमेव जयते

Ministry of Civil Aviation
Government of India

Giving Wings to the Economy and Strengthening Cultural Ties of Southern Tamil Nadu

Integrating Madurai into the Global Aviation Map and Restoring the Cultural Identity of Thoothukudi

"India's aviation sector has undergone a historic transformation, evolving from an exclusive club into the world's third-largest domestic aviation market. As we advance towards a Viksit Bharat, expanding air connectivity will link the aspirations of every citizen to the world."

Narendra Modi
Prime Minister

Under the visionary leadership of Hon'ble Prime Minister

Shri Narendra Modi

A New Era for a Developed Southern Tamil Nadu

Declaration of Madurai Airport as Madurai International Airport

&

Inauguration of New ATC Tower Cum Technical Block at Madurai International Airport

and

Renaming of Tuticorin Airport as Thoothukudi Airport

by

Shri Kinjarapu Rammohan Naidu

Union Minister of Civil Aviation

in the august presence of

Dr. L. Murugan
Union Minister of State for Information & Broadcasting; and Parliamentary Affairs

Shri Murlidhar Mohol
Union Minister of State for Civil Aviation; and Cooperation

Madurai International Airport

Global Gateway: Designated as Tamil Nadu's third International Airport to enhance Global Connectivity and Trade

Strategic Expansion: Regularizing International Routes to attract Global Airlines and Tourists to the Historic city

Regional Growth: Strengthening Pilgrimage, Supporting Local Businesses and Industry across Southern Tamil Nadu

New ATC Tower: State-of-the-art ATC Tower cum Technical Block Built at a cost of ₹94.37 Cr. to enhance operational safety

Thoothukudi Airport

Cultural Pride: Renamed to honor the city's rich cultural heritage and promote the official Tamil identity of the region

14th March, 2026

1100 hrs at Madurai International Airport, Tamil Nadu | 1300 hrs at Thoothukodi (Tuticorin) Airport, Tamil Nadu

CBC 03111/13/0019/2526

Watch the event live on DD News

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.